देहरादून (गैरसैंण),
सोमवार: 4 मई 2026
वर्ष: 17
अंक: 14 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

चलती फ्लाइट में यात्री ने खोल दिया इमरजेंसी गेट

- चेन्नई एयरपोर्ट पर हुआ गिरफ्तार 231 लोग थे सवार

चेन्नई (एजेंसी)। शारजाह से चेन्नई आ रही एयर अरबिया की एक फ्लाइट में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक 34 साल के यात्री ने विमान के लैंड होने के बाद टैक्सीवे पर चलते समय अचानक इमरजेंसी एग्जिट दरवाजा खोल दिया। इस घटना के बाद पायलट को तुरंत विमान रोकना पड़ा और सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट जारी किया गया। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के

अनुसार, एयर अरबिया का विमान 231 यात्रियों को लेकर शारजाह से चेन्नई पहुंचा था। विमान सुरक्षित रूप से रनवे पर लैंड कर चुका था और रनवे से टर्मिनल को जोड़ने वाले रास्ते (टैक्सीवे) पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था। इसी दौरान पुदुक्कोट्टई के रहने वाले एक यात्री ने अचानक उठकर विमान का आपातकालीन निकास द्वार खोल दिया। विमान उस समय पूरी तरह रुका नहीं था, जिसके कारण बड़ा हादसा हो सकता था। यात्री की इस हरकत को देख केबिन क्रू और साथी यात्री सन्न रह गए। जैसे ही इमरजेंसी दरवाजा खुला, विमान के कॉकपिट में चेतावनी का अलार्म बज उठा।

जांच के घेरे में यात्री की मानसिक स्थिति

विमान से उतारे जाने के बाद आरोपी यात्री से गहन पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि यात्री ने आखिर ऐसा क्यों किया। अधिकारी यह भी आंकलन कर रहे हैं कि क्या यात्री किसी मानसिक तनाव या स्वास्थ्य समस्या से गुजर रहा था, जिसके कारण उसने यह आत्मघाती और अवैध कदम उठाया। आपको बता दें कि विमानन नियमों के तहत टैक्सीवे या उड़ान के दौरान बिना किसी आपात स्थिति के इमरजेंसी गेट खोलना एक गंभीर अपराध है।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 लोगों की मौत

- डेढ़ साल का बच्चा भी शामिल, 15 लोग बचाए गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15

लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

9 मृतकों के नाम सामने आए लेकिन पहचान मुश्किल

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए।

किसके सिर सजेगा ताज, किसकी होगी हार, चुनावी फैसला आज

पांच राज्यों में आएगा जनता का निर्णय, सुबह 8 बजे से गिनती

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजे कल 4 मई को आएंगे, जिन पर सभी की नजरें टिकी हैं। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक घमासान देखने को मिला, जहां टीएमसी और बीजेपी के बीच कड़ा मुकाबला माना जा रहा है। वहीं असम में बीजेपी सत्ता बचाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस गठबंधन चुनौती दे रहा है। तमिलनाडु में मुकाबला डीएमके और एआईएडीएमके के बीच है, जबकि केरल में एलडीएफ और यूडीएफ आमने-सामने हैं। पुडुचेरी में भी मुकाबला दिलचस्प है। अंतिम तस्वीर कल 4 मई को ही साफ होगी। चुनाव आयोग ने मतगणना की तैयारियां पूरी कर ली हैं। नतीजे सुबह 8 बजे से आएंगे। असम, केरलम, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए

मतदान हुआ। इसमें असम की 126 सीटों पर 9 अप्रैल को, केरलम की 140 सीटों और पुड्डुचेरी की 30 सीटों पर एक साथ मतदान हुआ। इसके बाद तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को वोट डाले गए। वहीं पश्चिम बंगाल में दो चरण में मतदान हुआ, जिसमें पहले चरण का मतदान 23 अप्रैल को हुआ। इसमें 152 सीटों पर वोट पड़े। वहीं, जबकि दूसरे और आखिरी चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग हुई। बात करें बंगाल की तो इस बार के चुनाव में मतदाताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दोनों ही चरणों में भारी मतदान हुआ। कुल मिलाकर 92.47 फीसदी वोट पड़े। राज्य में एसआईआर के बाद हुए चुनाव में पहले चरण में 152 सीटों पर वोट डाले गए, जिसमें 93.19 फीसदी मतदान हुआ जबकि दूसरे चरण में 142 सीटों पर 91.66 फीसदी वोट पड़े। दोनों ही चरणों में महिला वोटर्स ने ज्यादा वोट डाले।

बंगाल में मतगणना से पहले बीजेपी का खास प्लान ऐक्टिव

सभी उम्मीदवार पहुंचे मंदिर और की पूजा-अर्चना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी ने अपने सभी विधानसभा उम्मीदवारों के लिए खास घोषणा की थी। उसी के अनुसार सभी रविवार को सारे कैंडिडेट्स अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के मंदिरों में जाकर पूजा-अर्चना की। साथ ही, सभी विधानसभा क्षेत्रों में महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती नजर आईं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल 4 मई को होनी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों की तैनाती को लेकर निर्वाचन आयोग के सर्कुलर पर सुप्रीम कोर्ट ने कुछ दिशा-निर्देश जारी किए हैं। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने इसका स्वागत किया और इसे अपने पक्ष में बताया। एससी ने कहा कि मतगणना के लिए केंद्र सरकार के कर्मियों की तैनाती संबंधी ईसी के सर्कुलर को चुनौती देने वाली याचिका पर किसी आदेश की आवश्यकता नहीं है। इसमें टीएमसी ने कलकत्ता न्यायालय की ओर से याचिका खारिज किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी।

- बीजेपी की महिलाएं स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर धरना प्रदर्शन करती दिखीं

मतगणना में केंद्रीय कर्मचारियों की तैनाती पर हंगामा

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सुप्रीम कोर्ट ने एक और कानूनी झटका देते हुए हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस ने मतगणना पर्यवेक्षक की जिम्मेदारियों से राज्य सरकार के कर्मियों को बाहर रखे जाने को चुनौती देते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था और तत्काल सुनवाई की मांग की थी। इस याचिका पर सुनवाई से इनकार एक स्पष्ट संदेश है कि मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित करने या उस पर संदेह पैदा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में वैधता नहीं मिलेगी।

भारतीय पनडुब्बियों को मिलेगा 'सीक्रेट' सिस्टम

भारत को बड़ी कामयाबी! हफ्तों तक पानी में छिपकर करेंगी वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना की ताकत में जल्द ही एक बड़ा इजाफा होने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने पनडुब्बियों के लिए एक क्रांतिकारी एयर-इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम तैयार किया है। इस नए सिस्टम की मदद से भारतीय पनडुब्बियां पानी के अंदर पहले से कहीं ज्यादा समय तक रह सकेंगी। डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने आईआईटी बॉम्बे के दीक्षांत समारोह के दौरान यह अहम जानकारी साझा की। नए सिस्टम से डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की मारक क्षमता कई गुना बढ़ जाएगी।

कैसे काम करेगा यह नया सिस्टम, मिलेगी जानकारी

डीआरडीओ चीफ समीर वी कामत ने बताया कि इस प्रोपल्शन सिस्टम का लैंड-बेस्ड प्रोटोटाइप 2021 में टेस्ट किया गया था। अब इसका फुल वर्जन गुजरात के हजीरा स्थित एलएन्डटी प्लांट में तैयारी के अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया- जल्द ही इसे मुंबई के मझगांव डॉक को सौंप दिया जाएगा।

400 किमी दूर दुश्मन की पनडुब्बी होगी नेस्तनाबूद

पनडुब्बियों की तकनीक के अलावा डीआरडीओ कई अन्य घातक हथियारों पर भी तेजी से काम कर रहा है। समीर वी कामत ने बताया कि डीआरडीओ एक ऐसा मिसाइल-माउंटेड टॉरपीडो (मिसाइल पर लगा टॉरपीडो) विकसित कर रहा है, जो 400 किलोमीटर दूर से ही दुश्मन की पनडुब्बी को तबाह कर सकता है। इसके साथ ही, डीआरडीओ में एक हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल और लेजर-डायरेक्टेड एनर्जी वेपन (लेजर हथियार) पर भी काम चल रहा है। इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम के बारे में बात करते हुए डीआरडीओ प्रमुख ने अन्य जानकारी दी।

45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत आ रहा 'सर्वशक्ति'

- अमेरिकी नाकेबंदी के बीच पार कर गया खतरनाक होर्मुज

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में एलपीजी गैस सिलेंडर की दिक्कत के बीच एक बड़ी राहत की खबर है। कम से कम 45 हजार टन एलपीजी लेकर भारत का एक सुपर टैंकर सर्वशक्ति होर्मुज को पार कर गया है जो कि जल्द ही भारत पहुंच सकता है। आपको बता दें कि अमेरिका की नाकेबंदी और ईरान की सख्ती के बीच यह बड़ी सफलता है कि भारत से जुड़ा टैंकर इस रास्ते को पार करके आगे बढ़ गया है। जानकारी के मुताबिक कड़ी सुरक्षा के साथ यह टैंकर भारत के पोर्ट पर पहुंचेगा। इसका चालक दल भी भारतीय ही है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्गो शिप भारतीय कंपनियों को गैस उपलब्ध करवाने वाला है।

अमेरिका ने सभी कंपनियों को चेताया

ईरान से तनाव के बीच अमेरिका ने जहाजरानी कंपनियों से कहा है कि वे अगर होर्मुज से गुजरने के लिए ईरान को किसी तरह का शुल्क देंगी तो उन्हे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ जाएगा। होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर अमेरिका और ईरान के मध्य जारी टकराव के बीच अमेरिकी विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय द्वारा शुक्रवार को दी गई चेतावनी ने दबाव और बढ़ा दिया है।

जम्मू और श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू

- 50 मिनट में तय होगा 272 किमी का यह लंबा सफर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू और श्रीनगर के बीच पहली सीधी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शनिवार को धूमधाम से शुरू हो गया। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दो दिन पहले इसका उद्घाटन किया था। अधिकारियों के अनुसार, 20 डिब्बों वाली यह ट्रेन मंगलवार को छोड़कर सप्ताह में छह दिन चलेगी और इससे दोनों शहरों के बीच यात्रा समय घटकर पांच घंटे से कम हो जाएगा। पहले यह ट्रेन श्रीनगर से श्री माता वैष्णो देवी कटरा तक चलती थी, लेकिन अब यह जम्मू तवी तक जाएगी। फूलों से सजी यह ट्रेन जम्मू रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर सात से श्रीनगर के लिए रवाना हुई। यह सेमी-हाई स्पीड ट्रेन जम्मू तवी से श्रीनगर तक लगभग 272 किलोमीटर की दूरी चार घंटे 50 मिनट में तय करेगी जबकि सड़क मार्ग से यात्रा करने में 12 से 24 घंटे तक लगते हैं।

राष्ट्रपति के पास जा रहे राघव समेत तीन सांसद

5 मई को होगी मुलाकात, निशाने पर पंजाब सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी से हाल ही में नाता तोड़ने वाले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अब अपनी पुरानी पार्टी और पंजाब सरकार के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। सांसद चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा था, जिसे राष्ट्रपति भवन द्वारा मंजूर कर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह अहम मुलाकात 5 मई को सुबह 10.40 बजे होगी। इस दौरान राघव चड्ढा के साथ तीन अन्य सांसद भी मौजूद रहेंगे, जिन्होंने हाल ही में एएपी का साथ छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है।

समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि इस प्रतिनिधिमंडल का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रपति को पंजाब की भगवंत मान सरकार की कथित बदले की राजनीति से अवगत कराना है। राघव चड्ढा और अन्य बागी सांसदों का आरोप है कि पंजाब सरकार अपनी शक्तियों और सरकारी मशीनरी का घोर दुरुपयोग कर रही है।

भारत में ही बनेगी बुलेट ट्रेन, स्वदेशी होगी तकनीक

दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती देने का बन गया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेल उस मुकाम पर खड़ी है, जहां से दुनिया की महाशक्तियों को चुनौती मिलने जा रही है। हाई-स्पीड रेल के लिए जापान की शिंकानसेन और विदेशी तकनीक पर निर्भर रहने वाला भारत अब खुद अपनी स्वदेशी बुलेट ट्रेन बना रहा है। बी28 (बुलेट ट्रेन-28) कोडनेम से बनने वाली यह ट्रेन अगस्त 2027 में अपना हाई स्पीड ट्रायल रन पूरा करेगी। वर्ष 2028 के मध्य में अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड कॉरिडोर के सूरत-बिलिमोरा-वापी सेक्शन पर यात्री 280 किमी प्रति घंटा की रफ्तार का आनंद उठा सकेंगे। लॉन्चिंग के समय इसका नाम 'वंदे भारत प्रो' अथवा 'अमृत भारत हाई स्पीड' रखा जा सकता है। रेलवे बोर्ड के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि देशभर में स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलाने के साहसिक निर्णय के पीछे सबसे बड़ी वजह इसकी लागत और विदेशी तकनीक पर निर्भरता खत्म करना है। मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर के लिए एक जापानी बुलेट ट्रेन की लागत 250-300 करोड़ रुपये आंकी गई है, वहीं भारतीय रेलवे के इंजीनियरों ने स्वदेशी तकनीक से महज 120 से 140 करोड़ रुपये में इसे तैयार करने का दावा किया है।

मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा

लागत कम होने से बुलेट ट्रेन का किफायती किराया सिर्फ अमीरों की सवारी न रहकर मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा। अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म (बोगी) पर विकसित किया जा रहा है। वंदे भारत स्टील की बनी है, जबकि बी28 एक्सट्रूडेड एल्युमीनियम से बनाया जा रहा है। अमूमन ट्रेन जब 280 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से टनल (सुरंग) से गुजरती है, तो तेज धमाके (सोनिक बूम) जैसी आवाज होती है। इसका नोज-कोन ऐसा डिजाइन है, जो हवा को चीरते हुए शोर को न्यूनतम कर देगा।

चलता-फिरता डाटा सेंटर, मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा

स्वदेशी बुलेट ट्रेन चलता-फिरता डाटा सेंटर होगी। ट्रेन में हजारों अत्याधुनिक सेंसर लगे होंगे। जिससे ट्रेन के पहिये में हल्की खराबी आती है, तो रियल-टाइम हेल्थ मॉनिटरिंग के जरिये ड्राइवर को तुरंत पता चल जाएगा। लागत कम होने से बुलेट ट्रेन का किफायती किराया सिर्फ अमीरों की सवारी न रहकर मध्यम वर्ग भी यात्रा कर सकेगा। अधिकारी ने बताया कि स्वदेशी बुलेट ट्रेन को वंदे भारत के प्लेटफॉर्म (बोगी) पर विकसित किया जा रहा है।

देशभर में बुलेट ट्रेन का जाल बिछाया जा सकेगा

भारतीय रेलवे टिल्टिंग टेक्नोलॉजी सस्पेंस पर भी काम कर रही है। देश में पटरियां बहुत घुमावदार हैं। ट्रेन में झुकने वाली तकनीक शामिल की जा सकती है, जिससे यह घुमावदार मोड़ों पर भी बिना रफ्तार कम किए सुरक्षित निकल सकेगी। यदि रेलवे इस तकनीक को ब्रॉड गेज पटरियों पर उतारने में सफल रहा, तो बिना नया ट्रैक बिछाए पूरे देश में बुलेट ट्रेन का जाल बिछाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याओं को सुना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मुख्यमंत्री आवास स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याओं को सुना। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, भूमि संबंधी मामलों तथा अन्य जनहित से जुड़े विषयों पर अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री कार्यालय एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी शिकायतों एवं मांगों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई की जाए तथा प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राप्त शिकायतों को संबंधित विभागों को तत्काल प्रेषित करते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उसकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान प्राप्त हो। जनसुनवाई जैसे कार्यक्रम शासन और जनता के बीच संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम हैं, जिनके माध्यम से सरकार को जमीनी स्तर की समस्याओं की जानकारी प्राप्त होती है और उनके समाधान के लिए प्रभावी निर्णय लिए जा सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनकल्याण, सुशासन और समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। प्रदेश के दूरस्थ एवं सीमांत क्षेत्रों तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये गये हैं कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सरलता एवं समयबद्ध रूप से लोगों को प्राप्त हो।

इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी ने भी मुख्यमंत्री से भेंट कर उत्तराखण्ड में चारधाम यात्रा में श्रद्धालु के लिए की गई बेहतर व्यवस्थाओं के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

देवसंस्कृति विश्वविद्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री धामी, प्रज्ञेश्वर महादेव में की विशेष पूजा

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज पहुंचे और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में सहभागिता की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश एवं राष्ट्र की समृद्धि एवं लोक–कल्याण की कामना की। शांतिकुंज आगमन पर देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या ने सीएम का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रज्ञेश्वर महाकाल मंदिर में विधिवत पूजा–अर्चना की और शौर्य दीवार पर राष्ट्र के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने देव संस्कृति विश्वविद्यालय में आयोजित यज्ञीय कार्यक्रम में भाग लेते हुए वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य राष्ट्र की उन्नति एवं विश्व शांति के लिए आहुतियां दीं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री धामी ने कहा शांतिकुंज आधुनिक शिक्षा एवं प्राचीन ऋषि परंपरा का अद्भुत संगम है। उन्होंने गायत्री परिवार की ओर से संचालित व्यसन मुक्ति एवं संस्कार निर्माण अभियानों की सराहना करते हुए इसे 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धि में एक महत्वपूर्ण आधार बताया। मुख्यमंत्री ने संस्था की अधिष्ठात्री शैलदीदी से भेंटकर आशीर्वाद लिया और विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन पाया।

संक्षिप्त समाचार

पिल्ला गैंग पर पुलिस का शिकंजा, एक गिरफ्तार, दो नाबालिग संरक्षण में

हरिद्वार। कनखल कोतवाली क्षेत्र में सक्रिय कथित 'पिल्ला गैंग' पर पुलिस ने शिकंजा कसते हुए एक सदस्य को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को संरक्षण में लिया गया है। जानकारी के अनुसार, ये युवक सोशल मीडिया पर वर्चस्व कायम करने के लिए मारपीट के बाद वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल कर दहशत फैलाने की कोशिश करते थे। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने सादे कपड़ों में टीमों को तैनात कर निगरानी शुरू की। जगजीतपुर, पीठ पुलिया, फुटबॉल ग्राउंड और गुरुकुल कांगड़ी इलाके में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हुए चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान शिकायतकर्ता कुलदीप के बेटे के साथ हुई मारपीट के मामले में संदिग्धों की पहचान हुई। दो मई को पुलिस ने आर्यन सैनी (19) निवासी इंदुपुरम कॉलोनी जगजीतपुर को गिरफ्तार किया। वहीं, दो नाबालिगों को नियमानुसार संरक्षण में लिया गया है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने गैंग से जुड़ी आठ मॉडिफाइड मोटरसाइकिलों को भी सीज किया है। पुलिस का कहना है कि ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

फैक्ट्री कर्मी का शव संदिग्ध हालात में फंदे पर लटका मिला

रुड़की। क्षेत्र में एक फैक्ट्री कर्मी का शव संदिग्ध हालात में फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी है। भगवानपुर कोतवाली पुलिस के अनुसार, अभिषेक (25) निवासी कस्बा कटकर, थाना किला जिला बरेली उत्तर प्रदेश भगवानपुर की एक फैक्ट्री में नौकरी करता था। वह क्षेत्र के गांव खुब्बनपुर में किराये पर कमरा लेकर रहा रहा था। बताया जा रहा है कि शनिवार की रात वह अपने कमरे के अंदर था। रविवार की सुबह आसपास के कमरों में रहने वाले लोगों ने उसका शव चुन्नी के फंदे के सहारे लटका हुआ देखा और सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मंडावर चौकी प्रभारी आशीष नेगी मौके पर पहुंचे और कमरे का गेट तोड़कर शव को फंदे से नीचे उतारा। कोतवाली प्रभारी रितेश साह ने बताया कि पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अनशनकारियों की तबीयत बिगड़ी, आईसीयू में भर्ती

देहरादून। वर्षवार भर्ती की मांग को लेकर नर्सिंग एकता मंच के बैनर तले एकता विहार में चल रहा धरना रविवार को 150वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के पांच महीने पूरे होने के बावजूद सरकार की बेरुखी से नाराज अभ्यर्थी अब जान की बाजी लगाने को मजबूर हैं। ऋषिकेश निवासी प्रियंका उनियाल के आमरण अनशन का रविवार को तीसरा दिन रहा, वहीं प्रीति धीमान ने भी रविवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया है। अनशन से अभ्यर्थियों की सेहत तेजी से गिर रही है। पूर्व में अनशन पर बैठीं शिरा बंधानी और विनीता रानी की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें कोरोनेशन अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। आंदोलनकारियों का तर्क है कि आठ–दस वर्षों के क्लिनिकल अनुभव के बाद परीक्षा थोपना उनके साथ अन्याय है।

भारी वर्षा के चलते स्थगित हुआ मूर्ति अनावरण समारोह

देहरादून। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा (आजाद हिंद फौज) के 81 वें शहीद दिवस पर तय मूर्ति अनावरण समारोह रविवार को खराब मौसम और भारी वर्षा के कारण स्थगित कर दिया गया। यह कार्यक्रम शेरबाग रोड स्थित नवनिर्मित पार्क गढ़ी कैंट में प्रस्तावित था, जिसे अब समिति द्वारा आगामी तिथि पर भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। वहीं, उत्तराखंड राज्य नेपाली भाषा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में अध्यक्ष मधुसूदन शर्मा की अध्यक्षता में शहीद कैप्टन दल बहादुर थापा एवं शहीद वीर केसरी चंद को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि थापा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बर्मा कोहिमा सीमा पर 28 जून 1944 को अंग्रेजो ने उन्हें युद्ध बंदी बना लिया देशद्रोह का मुकदमा चलाकर मृत्युदंड दे दिया। 3 मई 1945 को देश के लिए उन्होंने प्राण न्यौछावर किए।

कंपनी में काम दिलाने के नाम पर व्यापारी से 4.44 लाख ठगे

रुद्रपुर। कंपनी में काम दिलाने के नाम पर एक व्यापारी से 4.44 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मीना बाजार निवासी केसरी इंटरप्राइजेज के स्वामी पीयूष अग्रवाल ने शनिवार को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 फरवरी 2026 को गुरुग्राम स्थित एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के प्रतिनिधि बताने वाले राजीव शुक्ला से उनकी व्यापार संबंधी बातचीत हुई थी। इसके बाद आरोपी ने अलग–अलग बहानों से उनसे 4.44 लाख रुपये वसूल लिए। आरोपी ने 12 मार्च को पंजीकरण शुल्क के नाम पर 45 हजार रुपये, 17 मार्च को जमानत राशि के नाम पर 2 लाख रुपये, 4 अप्रैल को कॉर्पोरेट पंजीकरण आईडी शुल्क के नाम पर 1.49 लाख रुपये और 13 अप्रैल को फायर सेफ्टी एनओसी के नाम पर 50 हजार रुपये अलग–अलग खातों में जमा कराए।

यूथ कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, बाइक रैली निकाली

रुद्रपुर। नवनिर्वाचित यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों के स्वागत में रविवार को भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली थारू विकास भवन से शुरू होकर पारिन बैंक्वेट हॉल, अमाऊं तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली के समापन पर पारिन बैंक्वेट हॉल में पदाधिकारियों का फूल–मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। स्वागत समारोह में यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष नीरज सिंह कन्याल ने कहा कि संगठन समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाकर उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में नानकमत्ता विधायक गोपाल सिंह राणा, खटीमा विधायक भुवन चंद्र कापड़ी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य उमेश राठौर, जसविंदर बाजवा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष हिमांशु गावा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सोनकर ब्लॉक अध्यक्ष विनोद चंद एवं सतपाल राणा, ब्लॉक अध्यक्ष नानकमत्ता विधानसभा दीपक बिष्ट, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष संदीप चीमा, राजकिशोर सक्सेना, विजयशंकर यादव, नासिर खान, नूर अहमद, नवीन जोशी, हिमांशु भट्ट, शांति सामंत, विद्या मौजूद रहे।

धोलेश्वर महादेव मंदिर में हुआ रुद्राभिषेक

देहरादून। श्री धोलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम धोलास में रविवार को विशेष पूजा अर्चना, रुद्राभिषेक, यज्ञ और भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के संस्थापक योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी ने बताया मंदिर के निर्माण में महत्वपूर्ण सहयोग देने वाले कौशल्या शर्मा और हेमंत शर्मा द्वारा कार्यक्रम को किया गया था।

पूजा अर्चना का कार्य आचार्य दीपक कुकरेती ने किया। धोलेश्वर महादेव महिला भजन मंडली द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई। विशेष आरती के बाद भंडारे और प्रसाद वितरण का कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर योगाचार्य डॉ. बिपिन जोशी, भगवती जोशी, राम सिंह बिष्ट, कौशल्या शर्मा जोशी, हेमंत जोशी, राधा बिष्ट, खुशहाल बिष्ट उपस्थित रहे।

आईफोन छीनकर भाग रहे कार सवारों को पीछा कर पकड़ा

देहरादून। सड़क पर पैदल चलते हुए फोन पर बात कर रहे एक युवक से आईफोन छीनकर भाग रहे दो शातिर बदमाशों को पीड़ित ने साहस दिखाते हुए पीछा कर दबोच लिया। वारदात को अंजाम देने के लिए बदमाशों ने अपनी टैक्सी कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगा रखी थी। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने रविवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर कैंट एसएस बिष्ट ने बताया कि पंकज नेगी निवासी अनारवाला गढ़ी कैंट शनिवार शाम करीब 5:20 बजे मिलिट्री अस्पताल के पास से पैदल जा रहे थे। इसी दौरान वह अपने आईफोन 12 पर बात कर रहे थे। तभी एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार उनके पास आकर रुकी। कार में ड्राइवर के बगल में बैठे युवक ने झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीना और तेजी से गाड़ी दौड़ा दी। पंकज ने घबराने के बजाय तुरंत वहां से गुजर रहे एक व्यक्ति से लिफ्ट मांगी और बदमाशों का पीछा करना शुरू कर दिया। एसबीआई बैंक के पास उन्होंने स्विफ्ट कार को पकड़ लिया और अपना फोन उन बदमाशों से वापस छीन लिया। मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। जब स्थानीय लोगों ने पकड़ी गई कार की जांच की तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। कार पर दिल्ली के नंबर की सफेद यानी प्राइवेट नंबर प्लेट लगाई गई थी। लोगों को जब शक हुआ और उन्होंने उस प्लेट को हटाया तो उसके ठीक नीचे उत्तराखंड की असली टैक्सी नंबर प्लेट लगी हुई मिली। इसके बाद स्थानीय लोगों ने दोनों आरोपियों और कार को कैंट कोतवाली पुलिस को सौंप दिया।

रेस्टोरेंट में चाकू लेकर घुसे दबंगों ने की तोड़फोड़

देहरादून। बसंत विहार थाना क्षेत्र के बल्लीवाला चौक स्थित एक रेस्टोरेंट में दिनदहाड़े चाकू लेकर घुसे दबंगों ने जमकर उत्पात मचाया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए तोड़फोड़ की। आरोप है कि नकदी और सामान लेकर फरार हो गए। शिकायत पर रविवार को बसंत विहार थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एसओ बसंत विहार शैंकी कुमार ने बताया कि राजेंद्रनगर निवासी हिमांशु अरोड़ा और हेमंत अरोड़ा ने तहरीर दी। बताया कि बल्लीवाला चौक पर उनकी दो दुकानें हैं। जिनमें वे रेस्टोरेंट चलाते हैं। इन दिनों रेस्टोरेंट के रिनोवेशन का काम चल रहा है और जल्द ही इसकी ओपनिंग होनी है। आरोप है कि 31 मार्च की सुबह करीब 11 बजे धीरज अरोड़ा और स्वाति अरोड़ा अपने कुछ अन्य साथियों के साथ वहां पहुंचे और गुंडागर्दी शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार धीरज के हाथ में चाकू था और वह जान से मारने की धमकियां दे रहा था। आरोपियों ने छत पर लगे रेस्टोरेंट के बोर्ड को चाकू से काट दिया, जिसका वीडियो भी मौजूद है। इसके बाद दुकान के अंदर घुसकर लाइट और बोर्ड तोड़ दिए। आरोप है कि वे दो इंडक्शन चूल्हे और गल्ले से करीब 10 हजार रुपये की नकदी भी ले गए।

डीडीहाट में तेज अधड़ से होटल की छत उड़ी

पिथौरागढ़। नगर में रविवार दिन में चली तेज अधड़ के कारण एक होटल की छत उखड़ गई है। रविवार को स्थानीय रेनू डसीला, मनोज डसीला, महेश डसीला ने बताया कि नगर में रविवार को दिन में दो से तीन बजे के बीच तेज अधड़ चली। जिस कारण स्थानीय चन्द्रकला दिगारी के दुमंजिला होटल की छत उखड़ गई है। बताया जिससे मकान के अन्दर लगी विद्युत तारों सहित अन्य चीजों को भी नुकसान पहुंचा है। बताया घटना के समय कोई व्यक्ति होटल के अन्दर बैठा हुआ नही था। जिस कारण कोई बड़ी दुर्घटना होने से बाल–बाल बची। छत के उखड़ने व होटल के अन्दर की विद्युत लाइन के क्षतिग्रस्त होने से चन्द्रकला को नुकसान पहुंचा है।

चर्चित रवि चौहान हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में हुए चर्चित रवि चौहान हत्याकांड का मुख्य आरोपी पंकज शर्मा पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। 37 वर्षीय पंकज शर्मा, निवासी सीतापुर, ने जमीन के विवाद के चलते अपने ससुर के भाई रवि चौहान की हत्या कराने के लिए डेढ़ लाख रुपये की सुपारी दी थी। इस मामले में शामिल कांट्रेक्ट किलर दानिश अली और नदीम को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है, जबकि पंकज का भांजा गौतम अभी भी फरार है और उसकी तलाश जारी है।

घटना 17 अप्रैल को सामने आई थी जब दिव्या चौहान ने अपने पति रवि चौहान के अचानक गायब होने की शिकायत दर्ज कराई। दो दिन बाद 19 अप्रैल को रवि का शव पथरी पावर हाउस, रानीपुर क्षेत्र में बरामद हुआ। शव मिलने के बाद पुलिस ने गुमशुदगी को हत्या की धाराओं में बदलकर जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि जमीन के बंटवारे को लेकर पंकज शर्मा और रवि चौहान के बीच विवाद चल रहा था। इसी नाराजगी में पंकज ने अपने भांजे गौतम के साथ मिलकर दो सुपारी किलर हायर किए। पुलिस ने 23 अप्रैल को दानिश अली और नदीम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि उन्हें पंकज और गौतम ने हत्या की सुपारी दी थी। पंकज ने हत्या से पहले 40 हजार और हत्या के बाद 1.10 लाख रुपये नकद दिए थे।

तूफान और बारिश के बीच पुलिस व फायर सर्विस ने चलाया राहत अभियान

अल्मोड़ा। जिले में रविवार को आए तेज तूफान, आंधी और भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया। कई जगहों पर पेड़ मकानों पर भी गिर गए। सूचना मिलने पर पुलिस और फायर सर्विस की टीमों ने त्वरित राहत एवं बचाव अभियान चलाकर मार्गों को सुचारु कराया और लोगों को सुरक्षित निकाला। फायर स्टेशन अल्मोड़ा को सूचना मिली कि पप्परशैली के पास मुख्य मार्ग पर विशालकाय पेड़ गिरने से लंबा जाम लग गया है। फायर सर्विस की टीम ने मौके पर पहुंचकर वुडन कटर मशीन की सहायता से पेड़ को काटकर सड़क से हटाया और यातायात बहाल कराया। इसके बाद कसार देवी क्षेत्र में भी मुख्य मार्ग पर गिरे पेड़ को हटाकर आवाजाही सामान्य की गई। वहीं थाना दन्या क्षेत्र में आरतोला–जागेश्वर मार्ग, दन्या तथा आरासल्पड़ क्षेत्र में पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित हो गया था। पुलिस टीम ने जेसीबी और वुडन कटर मशीन की मदद से पेड़ों को हटाकर मार्ग को सुचारु कराया। थाना लमगड़ा क्षेत्र के ग्राम धूरा संगरौली, छड़ोजा ग्राउंड के पास निवासी पूरन चंद पांडे के मकान पर भी विशालकाय पेड़ गिर गया। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष प्रमोद पाठक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और पेड़ की कटाई–छंटाई कर मकान को खतरे से बाहर किया। घटना में मामूली नुकसान हुआ, जबकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस और फायर सर्विस की टीमें जिले में लगातार सतर्कता के साथ राहत एवं बचाव कार्य में जुटी रहीं।

देहरादून में एनडीए की तैयारी कर रहे छात्र की मौत

देहरादून। देहरादून के थाना राजपुर क्षेत्र में 2 मई को एक नाबालिग छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने सनसनी फैला दी। झारखंड निवासी यह छात्र राजपुर रोड स्थित कोचिंग संस्थान में एनडीए परीक्षा की तैयारी कर रहा था और पास ही बने हॉस्टल में अन्य चार छात्रों के साथ रहता था। घटना वाले दिन सुबह उसके साथी छात्र कोचिंग के लिए चले गए थे, जबकि वह कमरे में अकेला था। करीब साढ़े आठ बजे एक अन्य छात्र ने उसे अचेत अवस्था में देखा और तुरंत प्रबंधन व पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की। कमरे में लगे सीसीटीवी फुटेज में छात्र द्वारा खौफनाक कदम उठाए जाने की पुष्टि हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेजा और बाद में परिजनों को सुपुर्द कर दिया। छात्र की मौत की खबर से परिवार में मातम छा गया और परिजन रो–रोकर बेहाल हो गए।

पुलिस ने मृतक छात्र के साथियों से पूछताछ की। उन्होंने बताया कि बीते तीन–चार दिन से छात्र की तबीयत खराब थी। पुलिस ने इस आधार पर भी जांच को आगे बढ़ाया है। थाना प्रभारी पीड़ी भट्ट ने बताया कि घटना के संबंध में अग्रिम कार्रवाई जारी है। यह घटना न केवल छात्र समुदाय बल्कि अभिभावकों के लिए भी चिंता का विषय बन गई है।

नीट यूजी—2026 परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

अल्मोड़ा। नीट यूजी–2026 परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सकुशल संपन्न कराने के लिए रविवार को जनपद पुलिस अलर्ट मोड पर रही। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी रखी गई। अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह, सीओ संचार राजीव टम्टा और मुख्य अग्निशमन अधिकारी नरेंद्र सिंह कुंवर ने रानीखेत और द्वाराहाट क्षेत्र के परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। परीक्षा केंद्रों के आसपास संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफार्मों की निगरानी भी की गई, ताकि किसी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना को फैलने से रोका जा सके।

चेकिंग में 17 वाहन सीज, 58 वाहनों के काटे चालान

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में यातयात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ संभागीय परिवहन विभाग की टीम सघन चेकिंग अभियान चला रही है। इसमें महज दो दिन के भीतर ही 58 वाहनों के चालान और 17 वाहनों को सीज किया जा चुका है। अनाधिकृत रूप से यात्रा बस अड्डे से चारधाम यात्रियों ले जाने पर संबंधित ट्रैवल एजेंसी का लाइसेंस सस्पेंड करने की संस्तुति भी की गई है। एआरटीओ प्रवर्तन रश्मि पंत के मुताबिक शनिवार और रविवार यह अभियान चलाया गया, जिसमें विभाग की इंटरसेप्टर और बाइक स्क्वाड टीम भी शामिल रही। चेकिंग मे निजी वाहन होने के बावजूद व्यवसायिक प्रयोग में 17 वाहनों का चालान किया गया।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। लक्सर के खानपुर क्षेत्र में किशोरी से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। बीती 29 अप्रैल को दर्ज हुए इस संगीन अपराध ने पूरे इलाके में आक्रोश फैला दिया था। तहरीर के अनुसार, 15 वर्षीय किशोरी को नशीला पदार्थ सुंघाकर अगवा किया गया और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। घटना के बाद हिंदू संगठनों ने थाना परिसर में धरना प्रदर्शन कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की और एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। हालांकि, अन्य दो आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलते रहे। पुलिस की सक्रियता और मुखबिर तंत्र की मदद से आखिरकार दोनों को उत्तर प्रदेश सीमा के पास खुशीपुरा क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रासिम (21 वर्ष) और रिहान (18 वर्ष), दोनों निवासी जोग्गावाला, खानपुर, हरिद्वार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई कर चालान कर दिया है। इस मामले में लापरवाही बरतने पर दो दिन पहले ही थानाध्यक्ष और दो सिपाहियों को एसएसपी ने निलंबित कर दिया था।

एक नजर

पौड़ी में गुलदार के डर से 12 स्कूल दो दिन और बंद रहेंगे

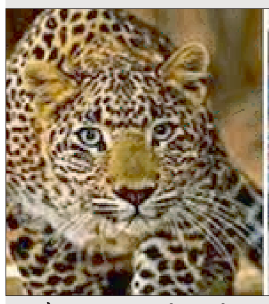

पौड़ी। गुलदार से बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर ब्लॉक के 12 स्कूल सोमवार व मंगलवार को भी बंद रहेंगे। इससे पूर्व इन स्कूलों में बीते बृहस्पतिवार से अवकाश चल रहा है। बीते बृहस्पतिवार को बमठी गांव में महिला को गुलदार के निवाला बनाने के बाद से यहां गुलदार की दहशत बन गई है। खंड शिक्षाधिकारी मास्टर आदर्श ने बताया है कि घटना के बाद बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर संकुल चरधार के तहत आने वाले स्कूलों में अवकाश चल रहा है। बताया कि अभी तक गुलदार के पकड़े नहीं जाने पर सोमवार व मंगलवार को भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। बताया कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए राजकीय उच्च प्राथमिक स्कूल गिरगांव, छतकोट, प्राइमरी स्कूल क्यार्क, चरधार, छतकोट, गिरगांव, ओणी, बमठी, केसुंदर, सिरोली, सचकिलो सहित भगतराम न्यू मॉडर्न जूनियर हाईस्कूल सत्यखाल में दो दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

सैन्य सम्मान के साथ जवान को दी अंतिम विदाई

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः बीएसएफ के जवान को यहां आईटीआई घाट पर सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पौड़ी जिले के पट्टी पैडलस्यूं के कमेड़ा गांव निवासी हेमंत(57) बीएसएफ में कांस्टेबल के पद पर कार्यरत थे। वर्तमान में वह गुजरात के भुज में तैनात थे और पिता के देहांत होने के कारण छुट्टी पर घर आए हुए थे। शुक्रवार को उनके पिता की तेरहवीं भी थी। इसी दौरान अचानक हेमंत की तबियत बिगड़ गई। आनन–फानन में तत्काल परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन उन्होंने दम तोड़ दिया। शनिवार को यहां अलकनंदा नदी में आईटीआई घाट के पास उनकी अंत्येष्टि सैन्य सम्मान के साथ की गई। एसएसबी के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी। घाट पर पहुंची बीएसएफ की टीम में शामिल इंस्पेक्टर पीके शर्मा ने बताया कि हेमंत बीएसएफ की 193 बटालियन में कांस्टेबल थे। वर्तमान में उनकी तैनाती भुज में थी, और वह छुट्टी पर घर आए हुए थे। उनके बेटे अंकित ने बताया कि इस घटना से पूरा क्षेत्र आहत है। क्षेत्र में शोक की लहर है।

संगठनों के साथ बैठक छह मई को

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी संगठन की जिलाधिकारी के साथ 6 मई को बैठक आयोजित की जिसमें संगठन की तरफ से समस्याओं को उठाया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष यशपाल सिंह रावत ने सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि जो उनकी जो भी समस्या है, उन समस्याओं के समाधान करवाने के लिए निर्धारित समय पर सुबह 11 बजे तक जिलाधिकारी कार्यालय में पहुंचे। कहा कि बैठक जिला कार्यालय के सभागार में आयोजित की जाएगी।

पौड़ी में होमगार्ड भर्ती के लिए उत्साह, अब तक 11 आवेदन प्राप्त

पौड़ी। जनपद में होमगार्ड जवानों की भर्ती प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है। कुल 60 पदों पर भर्ती की जानी है। होमगाड्र्स जिला कमांडेंट कार्यालय में तैनात इंस्पेक्टर देवकी नंदन पांडे ने बताया कि जनपद में कुल 60 होमगार्ड जवानों की भर्ती की जानी है। आवेदन प्रक्रिया जारी है। आवेदन की अंतिम तिथि 22 मई निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि यह भर्ती युवाओं के लिए सरकारी सेवा से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। चयनित अभ्यर्थियों को कानून व्यवस्था बनाए रखने में तैनात किया जाएगा। उन्हें आपदा प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में भी लगाया जाएगा। इंस्पेक्टर पांडे ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र भरकर जमा करने की अपील की है। विभाग भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से पूरा कराने के लिए आवश्यक तैयारियां कर रहा है। बताया कि तीन दिन में अब तक 11 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। आवेदन पत्र होमगार्ड जिला कमांडेंट कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज संलग्न करना अनिवार्य होगा। उम्मीद है कि आने वाले दिनों में आवेदन संख्या में तेजी आएगी।

दशोली गढ़ कौथिग में काफल स्टॉल रहेगा मुख्य आकर्षण का केंद्र

चमोली। पर्यावरण दिवस के मौके पर कंडारा क्षेत्र में 4 से 6 जून तक आयोजित होने वाले दशोलीगढ़ दिवा कौथिग के भव्य आयोजन को लेकर रविवार को कंडारा गांव में बैठक आयोजित हुई। निर्णय लिया गया कि स्थानीय महिलाएं काफल के साथ ही स्थानीय उत्पादों के स्टॉल लगाएंगी। इसके अलावा कौथिग में लोकगीत व लोकनृत्य की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कौथिग समिति के अध्यक्ष सतेंद्र बिष्ट और पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि कौथिग को भव्य रुप से आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य सरोजनी देवी ने कहा कि कौथिग में स्थानीय उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। काफल का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस दौरान क्षेत्र की महिला मंगल दल की महिलाओं व युमंद के युवाओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। उद्योगपति सुधीर रावत ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ऐसे आयोजन अहम होते हैं। मुंबई कौथिग की तर्ज पर दशोलीगढ़ कौथिग का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व प्रधान दिनेश रावत, रवि बिष्ट, रोशन बिष्ट, जयसिंह कठैत, भरत, दर्शन, महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाएं व युवा मौजूद रहे।

झमाझम बारिश के बाद खिली चटक धूप

चमोली। रविवार को एक बार फिर से मौसम ने करवट बदली। दोपहर में आसमान में काले बादल छाने के बाद झमाझम बारिश हुई। वहीं अपराह्न तीन बजे के बाद अचानक से मौसम साफ हुआ और चटक धूप खिल गई। झमाझम बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और ठंड बढ़ गई। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लोगों ने गर्म कपड़ों का सहारा लिया। पुनगांव, विषौणा, चौरासैण, जाख आदि स्थानों में तेज हवाएं चलती रही।

परीक्षा तिथियों में बदलाव की मांग उठाई

चमोली। लोक सेवा आयोग की ओर से प्रवक्ता परीक्षा तिथियों के संबंध में अभ्यर्थियों में नाराजगी है। अभ्यर्थी पूजा बिष्ट, हिमांशु, योगेश चौहान, दलबीर नेगी, मोहन, प्रशांत देवली, सोबन, महेंद्र कुमार आदि ने कहा कि प्रवक्ता भौतिक और नागरिक शास्त्र की परीक्षा 9 और 10 मई को निर्धारित की गई। वहीं, इस अवधि में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की परीक्षा भी प्रस्तावित है।

विभिन्न संगठनों ने उठाई पंकज के परिवार को न्याय देने की मांग

पंकज के घर पर परिवार को सांत्वना देने पहुंचे लोग

पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए युवक ने लगाई थी फांसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सतपुली के ग्राम रेतपुर में युवक द्वारा फांसी लगाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। विभिन्न संगठनों ने सरकार से पीड़ित परिवार को न्याय दिलवाने की मांग की है। कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच हो इसका विशेष ध्यान दिया जाएं।

शनिवार को ग्राम रेतपुर निवासी 20 वर्षीय पंकज कुमार ने रेपुर भिताड़ा पुल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर दी थी। इससे पहले पंकज ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी बनाया। जिसमें उसने सतपुली पुलिस पर उत्पीड़न का आरोप लगाया। युवक वीडियो में अपने शरीर पर लगे चोट के निशान भी दिखा रहा था। हालांकि, मामले में एसएसपी ने जांच कोटद्वार अपर पुलिस अधीक्षक को सौंप दी थी और थानाध्यक्ष सतपुली को लाइन हाजिर कर दिया था। रविवार को रविवार को विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग पंकज के घर पहुंचकर परिवार को सांत्वना दिया। कांग्रेस प्रदेश महासचिव कवींद्र इष्टवाल ने कहा कि पहाड़ में इस तरह की घटना गंभीर बात है। मामले की निष्पक्ष जांच कर पीड़ति परिवार को न्याय मिलना चाहिए।

बरसे बदरा, गर्मी से मिली राहत

कोटद्वार में बारिश के दौरान सड़क पर बहता पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः पिछले कई दिनों से गर्मी का प्रकोप झेल रहे शहरवासियों को रविवार को हुई बारिश से काफी राहत मिली। बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। लोगों ने घरों से बाहर निकलकर मौसम का आनंद लिया।

रविवार सुबह से ही आसमान में बादल छाये हुए थे। करीब 11 बजे मौसम का मिजाज बदला और छमाछम बारिश होने लगी। बारिश से लोगों को काफी राहत मिली। वहीं, बारिश के दौरान तेज हवा चलने से बद्रीनाथ मार्ग पर स्थित सीतापुर नेत्र चिकित्सालय परिसर में स्थित कनेर का पेड़ टूट गया। साथ ही चिकित्सालय के छत पर बनी टीन शेड भी उखड़ कर दूर जा गिरा। गनीमत यह रही कि रविवार होने के कारण परिसर में कोई मौजूद नहीं था। चिकित्सालय की देखरेख कर रहे अवधेश कुमार ने बताया कि अन्य दिन अस्पातल में मरीजों का तांता लगा रहता है। लेकिन, रविवार को अवकाश के चलते परिसर खाली था। संबंधित अधिकारियों को नुकसान के बारे में जानकारी दे दी गई है।

कोट ब्लॉक में भारत गैस आपूर्ति ठप, डेढ़ माह से ग्रामीण परेशान

पौड़ी। विकासखंड कोट क्षेत्र में भारत गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। ग्रामीणों का कहना है कि 24 मार्च के बाद से अब तक गैस डिलीवरी वाहन ब्लॉक क्षेत्र में नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस वाहन न आने के कारण रोजाना 25 से 30 उपभोक्ता जिला मुख्यालय स्थित भारत गैस कार्यालय पहुंच रहे हैं। गांवों से महिलाएं निजी वाहनों के जरिए सिलिंडर लेकर मुख्यालय आती हैं, जहां उन्हें दो से तीन घंटे तक लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। इसके बावजूद कई बार सत्यापन या बुकिंग संबंधी समस्याओं का हवाला देकर उपभोक्ताओं को बिना सिलिंडर दिए ही वापस भेज दिया जाता है। इस दौरान गांव लौटने वाले वाहन छूट जाने से कई लोगों को मुख्यालय में ही रिश्तेदारों के यहां रुकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जिला पंचायत कठुड़ आराधना देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय कुमार व सामाजिक कार्यकर्ता तामेश्वर आर्य ने बताया कि गैस आपूर्ति बाधित होने से लोग फिर से लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाने को विवश हैं। गैस न मिलने से महिलाओं को लकड़ी के लिए जंगलों का रुख करना पड़ रहा है। ऐसे में जंगली जानवरों, खासकर गुलदार के हमलों का खतरा भी बना हुआ है। बुजुर्गों और महिलाओं को इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

सतपुली थाने में धरने पर बैठे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः सतपुली रेतपुर निवासी पंकज की मौत के मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस के उत्पीड़न से पंकज इतना मजबूर हो गया कि उसे आत्महत्या करनी पड़ी। उन्होंने मामले में अब तक मुकदाम दर्ज होने होने पर भी सवाल खड़े किए। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार से पीडित परिवार को 35 लाख मुआवजा देने की मांग उठाई।

रविवार को सतपुली पहुंचे गणेश गोदियाल ने अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर से जांच के बारे में विस्तार से जानकारी ली। गणेश गोदियाल ने कहा कि घटना को तीन दिन हो चुके हैं। लेकिन, अब तक मामले में मुकदमा तक दर्ज नहीं हुआ। ऐसे में कैसे परिवार को न्याय मिलेगा। कहा कि स्वजनों ने उन्हें बताया कि पुलिस ने जबरन पंकज का शव अपने कब्जे में लिया और उसे पोस्टमार्टम के लिए उसे कोटद्वार भेज दिया। जबकि, स्वजन अपने तरीके से

सतपुली थाने के बाहर धरने पर बैठे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल व अन्य

विशेष चिकित्सकों के पैनल के साथ पोस्टमार्टम करवाना चाहते थे। कहा कि ऐसे में अब स्वजनों को यह अंदेशा है कि पुलिस पोस्टमार्टम को भी मैनेज कर सकती है। पोस्टमार्टम में निष्पक्षता आनी चाहिए थी। स्वजनों के हिसाब से ही पोस्टमार्टम की प्रक्रिया होनी चाहिए थी। युवक का आरोप था कि पुलिस ने उसके साथ मारपीट की। ऐसे में यह भी जांच होनी चाहिए कि युवक को थाने में पीटा गया या फिर कहीं बाहर। यदि जांच में लापरवाही हुई तो कांग्रेस आंदोलन को मजबूर होगी। इस दौरान गणेश गोदियाल ने सरकार से पीड़ति परिसर को न्याय दिलवाने के साथ ही परिसर को 35 लाख रुपये का मुआवजा देने की मांग उठाई।

बेस अस्पताल में दस दिन से खराब है एक्सरे मशीन

निजी क्लीनिक में पहुंचकर महंगा एक्सरा करवा रहे मरीज

जयन्त प्रतिनिधि ।

कोटद्वारः राजकीय बेस चिकित्सालय में दस दिन से एक्सरे मशीन खरा पड़ी है। ऐसे में दूर-दराज से आने वाले मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशान आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को हो रही है। निजी क्लीनिक से एक्सरा करवाने के लिए अधिक पैसे देने पड़ रहे हैं।

राजकीय बेस चिकित्सालय में प्रतिदिन मैदान के साथ ही पहाड़ से सैकड़ों मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। लेकिन, पिछले दस दिन से मरीजों को अस्पताल में एक्सरे की सुविधा नहीं मिल पा रही है।

दरसअल, दस दिन पहले एक्सरे मशीन के साफ्टवेयर में तकीनीकी खराबी आ गई थी। जिसके कारण एक्सरे मशीन ने काम करना बंद कर दिया। अस्पताल प्रशासन ने जल्द ही मशीन को ठीक करवाने की बात कही। लेकिन, अब तक इसपर ध्यान नहीं दिया गया है। नतीजा, मरीज एक्सरे के लिए इधर–उधर भटक रहे हैं। ऐसे में सबसे अधिक परेशानी दुर्घटना में घायल मरीजों को हो रही है। प्रमुख अधीक्षक डा.विजय सिंह ने बताया कि एक्सरे मशीन का दस वर्ष की एएमसी समाप्त हो गई है।

कार्य अवधि बढ़ाने के लिए संबंधित कंपनी को सूचना दे दी है। कहा कि शीघ्र ही एक्सरे मशीन को ठीक करवा दिया जाएगा।

कोटद्वार बेस अस्पताल जहां एक्सरा मशीन खराब है।

मार्ग पर हदसों का अंदेशा, नींद में सिस्टम

जयन्त प्रतिनिधि ।पौड़ीः विकास खंड कीर्तिनगर के अकरी, बारजूला और डागर क्षेत्र के करीब 70 से अधिक गांवों को जोड़ने वाला दुगड्डा—चौकी—जाखी मार्ग इन दिनों खस्ताहाल बना है। मार्ग पर उखड़ी सोलिंग के कारण दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। वहीं तेज धूप और गर्मी के कारण उड़ती धूल से राहगीरों का चलना भी मुश्किल हो गया है ।प्रधान संगठन कीर्तिनगर के पूर्व अध्यक्ष सुनय कुकसाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत मार्ग का सुधारीकरण और डामरीकरण कार्य चल रहा है। ढाई माह पहले करीब 12 किलोमीटर हिस्से में सोलिंग बिछाई गई थी लेकिन अब तक डामरीकरण का कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि कार्य अधूरा रहने से सोलिंग उखड़कर सड़क पर फैल गई है जिससे यहां आवाजाही में खतरा बना है। लोगों ने लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर से जल्द मार्ग पर डामरीकरण कराने की मांग की। साथ ही मार्ग पर नियमित पानी का छिड़काव कर धूल से राहत दिलाने का अनुरोध किया।

पांच हजार कर्मचारियों को तीन माह से मानदेय नहीं मिला

पौड़ी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के करीब पांच हजार कर्मचारियों को पिछले तीन माह से मानदेय नहीं मिला है जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। फरवरी माह से भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों पर खर्च का दबाव बढ़ गया है। खासकर मार्च और अप्रैल में बच्चों के एडमिशन जैसे अतिरिक्त खर्चों ने स्थिति और गंभीर कर दी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शरद रौतेला ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में भी कर्मचारियों को समय पर मानदेय नहीं मिलने की समस्या लगातार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मिशन निदेशक से अलग फंड की व्यवस्था कर नियमित और समयबद्ध भुगतान प्रणाली लागू करने का अनुरोध किया गया लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। कर्मचारियों का कहना है कि एक ओर उनसे रविवार को भी काम कराने का दबाव बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मानदेय के भुगतान को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। इससे कर्मचारियों का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मानदेय का भुगतान नहीं किया गया और समय पर मानदेय देने की व्यवस्था नहीं बनाई गई,

आंधी—तूफान से बीजीआर कॉलेज में दो वाहनों पर गिरे पेड़

पौड़ी। बीते शनिवार देर रात तेज आंधी–तूफान के कारण बीजीआर कॉलेज परिसर में खड़े दो वाहनों पर पेड़ गिर गए, जिससे वे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। रविवार को सूचना मिलने पर फायर यूनिट आवश्यक उपकरणों के साथ घटनास्थल पर पहुंची। टीम ने वुडन कटर मशीन का उपयोग कर गिरे पेड़ों को छोटे–छोटे हिस्सों में काटा, ताकि वाहनों को बिना अतिरिक्त नुकसान पहुंचाए सुरक्षित हटाया जा सके। फायर यूनिट के एलएफएम धर्मेंद्र सिंह रावत ने बताया कि टीम की कड़ी मेहनत और समन्वय के बाद पेड़ों को पूरी तरह हटा दिया गया। परिसर निदेशक डॉ.यूसी गैराला ने जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर परिसर में खतरा बने पेड़ों को हटाने की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि परिसर में कई पेड़ जर्जर स्थिति में हैं, जिनसे भविष्य में हानि होने की संभावना है। फायर यूनिट टीम में एलएफएम शमशेर सिंह चौहान, यशपाल सिंह रावत, दीपक सिंह रावत, संजय सिंह और जय सिंह शामिल रहे।

विधायक ने भू–धंसाव प्रभावित क्षेत्र व मोटर पुल का किया निरीक्षण

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने रविवार को ताला बरंगाली मोटर मार्ग पर भू–धंसाव प्रभावित क्षेत्र व मोटर पुल का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान आकाशकामिनी नदी पर बने पुल को भू धंसाव से हो रहे नुकसान व उसके स्थायी समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों,स्थानीय जनप्रतिनिधियों–ग्रामीणों से चर्चा की। विधायक ने भू–धंसाव से उत्पन्न परिस्थितियों का निरीक्षण करते हुए विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टील गार्डर पुल की स्थिति को देखते हुए शीघ्र बैली ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। कहा कि क्षेत्रीय जनता को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

आस्था पथ से बर्फ हटाकर हेमकुंड साहिब पहुंचे जवान व सेवादार

चमोली। भारतीय सेना के जवान और गुरुद्वारे के सेवादार आस्था पथ से बर्फ हटाने के बाद हेमकुंड साहिब पहुंच गए हैं। अब जवान व सेवादार हेमकुंड साहिब में ही रुकेंगे और मार्ग के शेष हिस्से से बर्फ हटाने का काम करेंगे। इससे पहले उन्हें रात्रि विश्राम के लिए घांघरिया लौटना पड़ रहा था। हेमकुंड सहिब यात्रा मार्ग से बर्फ हटाकर मार्ग को दुरुस्त करने के लिए भारतीय सेना की 418 माउंटेन ब्रिगेड के जवान और गुरुद्वारा ट्रस्ट के सेवादार 15 अप्रैल को गोविंदघाट से घांघरिया के लिए रवाना हुए थे। 16 अप्रैल से जवानों व सेवादारों ने मार्ग से बर्फ हटाने का काम आरंभ किया। अटलाकोटी ग्लेशियर क्षेत्र से ऊपर भारी बर्फ जमी हुई है। टीम ने लगातार तेजी से काम करते हुए बर्फ हटाकर मार्ग को दुरुस्त किया और अब जवान हेमकुंड साहिब पहुंच चुके हैं। अब आस्था पथ को चौड़ा करने के साथ ही करीब डेढ़ किमी का ट्रैक शेष है जिससे बर्फ हटाई जानी है जवान और सेवादार हेमकुंड साहिब में ही रुककर बर्फ को हटाने का काम करेंगे।

शहीद स्मृति द्वार तोड़े जाने पर उक्रांद ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गुमखाल तिराहे के समीप शहीद स्मृति द्वार तोड़े जाने पर उक्रांद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि यदि दोबारा से स्मृति द्वार का निर्माण नहीं हुआ तो उक्रांद आंदोलन को मजबूर होगा।

बड़ी संख्या में उत्तरखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता व पदाधिकारी गुमाखाल तिराहे के समीप पहुंचे। इसके बाद उन्होंने शहीद सैनिक लांस नायक सतीश चंद्र के स्वजनों से मुलाकात की। संदीप रौतेला ने बताया कि आठवीं गढ़वाल राइफल्स में तैनात लांस नायक सतीश चंद्र की स्मृति में स्वजनों ने गुमखाल तराहे के समीप स्मृति द्वार का निर्माण करवाया था। लेकिन, 27 अप्रैल की रात कुछ लोगों ने इस स्मृति द्वार को ध्वस्त कर दिया। जबकि, इससे चंद दूरी पर पुलिस चौकी भी है। इससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। यह केवल शहीद की स्मृति का अपमान नहीं बल्कि उनकी भावनाओं को भी आहत किया गया है। उक्रांद ने उपजिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच करवाने की मांग उठाई। कहा कि दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही जल्द से जल्द स्मृति द्वार का दोबारा निर्माण करवाया जाए। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष लैंसडौन मुकेश बिष्ट, भारत सिंह, संदीप सिंह, आयुष नेगी, प्रदीप मेहरा, नेत्र सिंह नेगी, सुबोध रावत, मुकेश मोहन गुसाईं आदि मौजूद रहे।

गुमखाल पहुंचे उत्तराखंड क्रांति दल के कार्यकर्ता व पदाधिकारी

पुलिस ने मुख्य मंदिर परिसर तक सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत किया

रुद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए पुलिस ने मुख्य मंदिर परिसर तक सुरक्षा व्यवस्थाओं को और मजबूत किया है। एसपी निहारिका तोमर ने बताया कि सुरक्षा तैयारियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए धाम के विभिन्न संवेदनशील क्षेत्रों में बम डिस्पोजल स्क्वाड ने संयुक्त रूप से एंटी–सबोटॉज विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्क्वाड और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीमों की ओर से अत्याधुनिक मेटल डिटेक्टर और अन्य सुरक्षा उपकरणों के माध्यम से मंदिर के प्रवेश द्वारों, विश्राम स्थलों और श्रद्धालुओं के सामान की सघन जांच की गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को केवल भौतिक चैकिंग तक ही सीमित नहीं रखा गया है बल्कि सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के माध्यम से भी भीड़भाड़ वाले इलाकों पर पैनी नजर रखी जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य यात्रा को निर्बाध बनाना और असामाजिक तत्वों पर नकेल कसना है। उन्होंने रुद्रप्रयाग पुलिस सभी श्रद्धालुओं से कहा है कि सुरक्षा जांच के दौरान तैनात कर्मियों के साथ सहयोग करें।

संपादकीय

पुलिस उत्पीड़न, सतपुली का जख्म

उत्तराखंड पुलिस की छवि यूं तो मित्र पुलिस की अवधारणा पर तैयार करने की कोशिश की गई थी लेकिन राज्य बनने के बाद पुलिस की छवि पर अक्सर दाग लगने के साथ–साथ गंभीर आरोप भी लगते रहे। कार्रवाई के नाम पर उत्पीड़न के अनगिनत मामले सामने आ चुके हैं तो वही लगभग 17 वर्ष पूर्व फर्जी मुठभेड़ ने तो राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड पुलिस को कटघरे में खड़ा कर दिया था। सरकार से लेकर आल्हा अधिकारी विभाग की छवि सुधारने के लिए प्रयास करते रहे लेकिन चंद लोगों की करनी विभाग की गरिमा को पलीता लगाती रही। अभी हाल ही में राजधानी देहरादून के एक निजी कॉलेज में छात्र की निर्माता से की जा रही पिटाई के बाद दो पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर किया गया तो वहीं चालान के नाम पर सतपुली के एक युवक का इतना मानसिक रूप से उत्पीड़न किया गया कि उसने फांसी पर जुलकर अपनी जान दे दी। छोटी–छोटी बातों पर पुलिस का शोषण और अत्याचार सीमाओं को पर करता जा रहा है। पौड़ी गढ़वाल के सतपुली क्षेत्र में 20 वर्षीय युवक की मौत के बाद तो उत्तराखंड पुलिस की कार्यशैली पूरी तरह से सवालों के घेरे में है। रैतपुर निवासी युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले को सामान्य नहीं माना जा सकता, महज़ चालान के लिए क्या एक युवक को इतना परेशान किया जा सकता है कि वह अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला ले लेता है। कल्पना की जा सकती है कि पुलिस कार्रवाई और उत्पीड़न से युवक किस मानसिक स्थिति से गुजरा होगा? मृतक की माता ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस ने उनके बेटे के साथ मारपीट और टॉर्चर किया, जिससे आहत होकर उसने यह कदम उठाया। आखिर किस मानसिक स्तर के यह पुलिसकर्मी है जो अपने ही क्षेत्र के लोगों को परेशान करने पर तुले हुए हैं और उनके साथ इस प्रकार पेश आ रहे हैं मानो वह किसी गंभीर अपराधों में लिप्त हों या उनकी गतिविधियां किसी आतंकी संगठनों से जुड़ी हुई हो। निश्चित तौर पर पुलिसकर्मी मानसिक स्तर पर परिपक्वनजर नहीं आ रहे हैं और छोटी–छोटी बातों पर उनका धैर्य खोना बेहद चिंताजनक है। राज्य पुलिस की हरकतें अब सीमा पार कर चुकी है और यदि अधिकारियों और सरकार ने इन हरकतों पर लगाम नहीं कई तो आने वाले दिनों में इसके गंभीर परिणाम राज्य को भुगतने पड़ सकते हैं। चंद गिनती के ऐसे पुलिसकर्मी न केवल मानवता को शर्मसार कर रहे हैं बल्कि विभाग की गरिमा को भी कलंकित कर रहे हैं। जब तक ऐसे वर्दीधारी राक्षसों पर कार्यवाही नहीं होगी तब तक ये सिलसिला चलता रहेगा और आम व्यक्ति मरता रहेगा। केशव थलवाल मामले में भी उत्पीड़न और टॉर्चर की सीमाएं पार कर चुके पुलिस कर्मियों को विभागीय अधिकारियों ने अपनी जांच में पाक साफ़ घोषित कर दिया, दूध की रखवाली करने के लिए बिल्ली को जिम्मेदारी दोगे तो क्या जाँच हो पायेगी। मामला अदालत में पहुंचा तो पुलिसकर्मी स्वयं कटघरे में खड़े नजर आए। मित्र पुलिस की अवधारणा अब महज उपहास बनकर रह गई है और इसे अब सोशल मीडिया पर पुलिस के लिए व्यंग्य के तौर पर प्रयोग किया जाने लगा है। निलंबन और लाइन हाजिर एक सामान्य सी प्रक्रिया है जिससे ना तो दूसरे कर्मियों को कोई सबक मिलता है और ना ही वह अपने व्यवहार को सुधारने के लिए कोई प्रयास ही करते हैं। चालान जैसी कार्रवाई पर उत्पीड़न का यह स्तर पुलिस कर्मियों के मानसिक दिवालियापन एवं धैर्यहीनता का भी एक जीत जागता है उदाहरण है।

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

डॉ हिदायत अहमद खान

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दशार्ती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दशार्ता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

डॉ. सत्यवान सौरभ

हीटवेव की मार से हरियाणाझ्रपंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैं–ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है–गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है–समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है–जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब 'गीला बल्ब तापमान' एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट-इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय–तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक 'कैस्केडिंग फेल्योर' के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति श्रृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है–खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक–एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है। ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां–जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती–इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूवार्नुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

एक नजर

गौडार गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू

रुद्रप्रयाग(। मद्महेश्वर घाटी के सुदूरवर्ती गांव गौडार गांव को नशामुक्त करने के लिए महिला मंगल दल ने पूरे गांव में पूर्ण शराबबंदी का एलान किया है। अब से गांव की सीमा में शराब पीने, बेचने या किसी भी समारोह में इसका इस्तेमाल करने पर 21 हजार का जुर्माना वसूला जाएगा। फैसले को ग्राम प्रधान, गांव की देखरेख समिति के सरपंच और नवयुवक मंगल दल का भी पूर्ण समर्थन मिला।

महिला मंगल दल की महिलाओं ने गांव के बणद्यौ धार से लेकर वन तोली तोक की पगडंडियों पर तख्तियां लेकर जागरूकता रैली निकाली। इसके बाद महिला मंगल दल की अध्यक्ष प्रतिभा देवी के नेतृत्व में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव तैयार किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति से 21 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला जाएगा। इस अवसर पर वीना देवी, विनीता देवी, कविता देवी, रेखा देवी, प्रीति देवी, शिवानी, गीता, दीपा, सरला आदि ने जागरूकता रैली में शामिल रही। बैठक में ग्राम प्रधान अनूप पंवार, जसपाल सिंह पंवार, नवयुवक मंगल दल अध्यक्ष अरविन्द पंवार, शाखा देवी , सुनीता देवी, कुंवरी देवी, ममता, नीलम, रोशनी, जौंकी देवी, नंदा देवी, लक्ष्मी देवी, सरिता देवी आदि उपस्थित रही।

मुख्य आरक्षी मनोज रावत बने अपर उपनिरीक्षक

रुद्रप्रयाग। मुख्य आरक्षी मनोज रावत बने अपर उपनिरीक्षकरुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जनपद में तैनात सशस्त्र पुलिस संवर्ग के मुख्य आरक्षी मनोज रावत के अपर उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर पुलिस कार्यालय में पिपिंग सेरेमनी आयोजित की गई। इस दौरान पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर और प्रभारी आंकिक प्रदीप कुकरेती ने उनके कंधों पर सितारे सजाकर नई जिम्मेदारी के लिए अलंकृत किया। एसपी नीहारिका तोमर ने पदोन्नत अधिकारी को शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी, अनुशासन और तत्परता के साथ कर्तव्य निर्वहन करने के निर्देश दिए। इस दौरान समारोह में पुलिस कर्मियों ने भी मनोज रावत को बधाई देकर उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

रोडवेज बस सेवा बहाल करने की मांग

रुद्रप्रयाग। सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने परिवहन विभाग से देहरादून से ऊखीमठ मार्ग पर रोडवेज बस सेवा पुन संचालित करने की मांग की है। उन्होंने प्रबंध निदेशक परिवहन विभाग को भेजे पत्र में कहा कि केदारनाथ यात्रा शुरू होने के बाद अधिकांश रोडवेज बसों को गौरीकुंड मार्ग पर लगाया गया है। इससे देहरादून ऊखीमठ मार्ग की नियमित बस सेवा भी बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि बस सेवा बंद होने से स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों, मरीजों और अन्य यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रा सीजन में पूरी व्यवस्था केदारनाथ मार्ग पर केंद्रित होने से ऊखीमठ क्षेत्र के लोगों की समस्याएं बढ़ गई हैं। उन्होंने ने जनहित में जल्द से जल्द एक नियमित रोडवेज बस सेवा ऊखीमठ मार्ग पर शुरू करने की मांग की है।

यात्रा मार्ग पर बदहाल पड़े शौचालय, तीर्थयात्री हो रहे परेशान

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री और यमुनोत्री मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं, दूसरी ओर यात्रा मार्ग पर बुनियादी सुविधाओं की बदहाली ये यात्री परेशान हैं। नगर क्षेत्र सहित यात्रा मार्गों पर शौचालयों सहित यूरिनल की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र के गढ़वाल मंडल विकास निगम के समीप ज्ञानसू और यात्रा रूट के मनेरी सहित अन्य स्थानों पर बने शौचालय बदहाल पड़े हैं। कई शौचालयों में पानी ही नहीं है जबकि कुछ स्थानों पर दरवाजे टूटे होने के कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यूकेडी के वरिष्ठ नेता विष्णुपाल रावत ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु धामों की यात्रा पर आते हैं। इसके बावजूद सुविधाओं के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। यात्रा सीजन के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए थीं लेकिन स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से शौचालयों की मरम्मत कराई जाए और नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

यमुनोत्री जिला बनाने की मांग हुई तेज, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

उत्तरकाशी। नगाणगांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को यमुनोत्री पृथक जनपद संघर्ष समिति की ओर से ज्ञापन सौंपा। सीएम के समक्ष यमुनोत्री जनपद के जल्द गठन की मांग उठाई गई। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 2011 में तत्कालीन मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने यमुनोत्री, कोटद्वार, डीडीहाट और रानीखेत सहित चार नए जनपदों की घोषणा की थी लेकिन करीब डेढ़ दशक बाद भी ये जनपद अस्तित्व में नहीं आ सके हैं। इससे यमुनाघाटी क्षेत्र के लोगों में सरकार के प्रति आक्रोश बढ़ता जा रहा है। यमुनोत्री पृथक जनपद संघर्ष समिति के अध्यक्ष भरत सिंह चौहान ने कहा कि क्षेत्र की भौगोलिक विषमताओं और जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए पृथक जनपद की मांग लंबे समय से उठाई जा रही है। इसके लिए स्थानीय जनता लगातार आंदोलनरत भी रही है, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। उन्होंने कहा कि यमुनोत्री जनपद का गठन होने से रवांई घाटी के लोगों को उत्तरकाशी जिला मुख्यालय तक की लंबी दूरी से राहत मिलेगी। साथ ही क्षेत्र के समग्र विकास को भी गति मिलेगी। ज्ञापन में सरकार से जल्द से जल्द जनपद गठन की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई है। इस दौरान ज्ञापन सौंपने वालों में भरत सिंह चौहान, दर्मियान चौहान, राजीव जयाड़ा, रविंद्र सिंह रावत मौजूद रहे।

जैव विविधता और नेचर ट्रेल्स के जरिए युवाओं को मिलेगा स्वरोजगार

उत्तरकाशी। हर्षिल घाटी में पहली बार आयोजित नेचुरलिस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बगोरी गांव के पंचायती भवन में आयोजित इस प्रशिक्षण में क्षेत्र के हर्षिल, झाला, धराली, गंगोत्री और मुखबा गांवों से आए 30 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जैव विविधता की पहचान, हिमालयी वनस्पतियों, पक्षी एवं वन्यजीवों के व्यवहार, नेचर ट्रेल्स के विकास और पर्यटकों के साथ संवाद कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही उन्हें अपने क्षेत्र के छुपे प्राकृतिक मार्गों को चिह्नित कर उन्हें पर्यटन से जोड़ने की दिशा में प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में बगोरी ग्राम प्रधान रंजीता धौबरा ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत हर्षिल घाटी नए अवसरों का केंद्र बन रही है और इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रहे हैं। हर्षिल ग्राम प्रधान सुचित्रा रौतेला ने कहा कि ऐसी पहल से युवाओं को सही दिशा और अवसर मिल रहे हैं जिससे वे पर्यटन क्षेत्र में अपनी पहचान बना सकते हैं। उत्तराखंड पर्यटन विभाग की अपर निदेशक पूनम चंद ऑनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ीं।

माणा गांव में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

चमोली। भगवान बदरीविशाल के दर्शनों के साथ ही देश के प्रथम गांव माणा में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। बदरीनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्री धार्मिक आस्था के साथ-साथ माणा गांव के प्राकृतिक सौंदर्य और पौराणिक स्थलों का भी आनंद ले रहे हैं। सुबह से लेकर शाम तक गांव की गलियों, भीम पुल और सतोपंथ मार्ग पर श्रद्धालुओं का रैला लगा हुआ है। सबसे अधिक आकर्षण भीम पुल पर देखने को मिल रहा है। सरस्वती नदी के ऊपर प्राकृतिक रूप से रखी विशाल शिला को देखने और वहां फोटो खिंचवाने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। युवा, बुजुर्ग और परिवारों के साथ पहुंचे श्रद्धालु यहां यादगार तस्वीरें लेने में जुटे नजर आ रहे हैं।

वहीं सतोपंथ मार्ग भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इस मार्ग पर स्थापित पांच पांडवों की मूर्तियां लोगों को महाभारत काल की याद दिला रही हैं। श्रद्धालु इन मूर्तियों के साथ फोटो खिंचवाने के साथ उनके बारे में जानकारी भी जुटा रहे हैं।

इसके अलावा व्यास गुफा और गणेश गुफा में भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि महर्षि वेदव्यास ने इसी स्थान पर महाभारत की रचना की थी, जबकि भगवान गणेश ने उसे लिपिबद्ध किया था। इन धार्मिक कथाओं को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। माणा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा का कहना है कि यात्रा सीजन शुरू होते ही माणा गांव में चहल-पहल बढ़ गई है। ऊनी वस्त्र, स्थानीय उत्पाद और पारंपरिक व्यंजनों की दुकानों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दे रही है। प्रशासन और पुलिस की ओर से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

मौसम में आए बदलाव से बदरीनाथ में बढ़ी ठंड

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम में रविवार को दोपहर बाद हुई बारिश के बाद चारों ओर कोहरा छा गया। इससे धाम में ठंड बढ़ गई है। अपराह्न दो बजे धाम में हल्की बारिश भी हुई। तीर्थयात्रियो ने बारिश के बीच लाइन में लगकर बदरीनाथ भगवान के दर्शन किए। मौसम में ठंडकर आने के बाद भी श्रद्धालुओं के उत्हास में कोई कमी नहीं है। तड़के से ही भगवान बदरीनाथ के दर्शनों की लाइन लग रही है।

मद्महेश्वर घाटी में सड़क व पैदल मार्ग की स्थिति है खस्ताहाल

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट आगामी 21 मई को खोले जाने हैं लेकिन अब तक यहां सड़क व पैदल मार्ग की स्थिति में कोई सुधार नहीं किया गया है। गौंडार गांव तक सड़क पहुंचाने के लिए राशि से आगे पांच किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है लेकिन अभी सड़क तीन किलोमीटर तक ही बनाई गई है। साथ ही सड़क निर्माण से पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है और सड़क निर्माण कार्य इन दिनो ठप है। कार्य गति धीमी होने के कारण क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। गांव के पूर्व प्रधान बीरेंद्र सिंह पंवार ने कहा कि लोनिवि के माध्यम से बन रहे इस मार्ग पर इन दिनों निर्माण कार्य बंद है। बताया कि गांव तक पहुंचने के लिए पैदल मार्ग की स्थिति खराब है। कहा इस पैदल मार्ग पर ना तो घोड़े खच्चरों के जाने का रास्ता है और ना ही खाद्यान सामाग्री पहुंच पा रही है। मजदूरों के माध्यम से सामान ढुवाई पर अधिक धन का भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तरसाली तोक से गौंडार तक निर्माण कार्य बंद होने से लोगों में आक्रोश है। वहीं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राकेश प्रकाश नैथानी ने बताया कि तकनीकी खामी के कारण जेसीबी मशीन से कार्य नहीं हो पा रहा है जिसे दो दिन में दुरुस्त कर कार्य शुरू किया जाएगा।

स्वास्थ्य शिविर में लगी मरीजों की भीड़

हल्द्वानी। पूर्व दर्जाधारी एवं भाजपा नेता महेश शर्मा के सौजन्य से आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में रविवार को बड़ी संख्या में मरीजों की भीड़ उमड़ी। शिविर का आयोजन कालाढूंगी रामलीला मैदान में किया गया। शिविर में पीएसपी हॉस्पिटल हल्द्वानी के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर उन्हें उचित परामर्श दिया। इनमें न्यूरोसर्जन डॉ. अनिल देवल, कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. कपिन्दर, सर्जन डॉ. अभिनव, फिजिशियन डॉ. विशाल और आर्थोपेडिक डॉ. आनंद मिश्रा शामिल रहे। इसके अलावा परिचारिकाओं द्वारा विभिन्न मरीजों की निशुल्क जांच भी की गई। रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष नवनीत राणा के सहयोग से

जरूरतमंदों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। लायंस क्लब की अध्यक्ष तनुजा जोशी, शालिनी गुप्ता और उषा मुकेश ने शिविर के संचालन में सहयोग किया। स्थानीय लोगों ने महेश शर्मा की इस पहल की सराहना की।

बुरांश का उत्पादन घटने से बढ़ा जूस के दाम

उत्तरकाशी। इस वर्ष बुरांश के फूलों का उत्पादन काफी कम हुआ है। इसके कारण बाजार में बुरांश के जूस की कीमत दस से पंद्रह रुपये प्रति लीटर बढ़ गई है। यह स्थिति स्थानीय महिलाओं की आय पर भी असर डाल रही है। औषधीय गुणों से भरपूर बुरांश के जूस की गर्मियों में भारी मांग रहती है। लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। कुछ वर्षों से जंगलों में बुरांश खूब खिल रहा था। इसका जूस अब घर-घर की पहचान बन गया है। महिलाएं जंगलों से फूल तोड़कर घर पर अपने उपयोग के लिए शर्बत बनाती हैं। वे प्रसंस्करण इकाइयों को फूल बेचकर भी पैसा कमाती हैं। इस सीजन में कम उत्पादन के कारण महिलाएं कमाई नहीं कर पाई हैं। यमुना घाटी फल एवं सब्जी प्रसंस्करण इकाई हिमरौल के जगमोहन राणा ने बताया कि इस वर्ष जंगलों में असमय फूल खिल गए थे। इससे उत्पादन पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने पिछली बार दो सौ कुंतल फूल खरीदा था पर इस बार दस क्विंटल फूल भी नहीं मिल पाया है।

दिगंबर सिंह रावत बने एमएफएन लाइटवेट के नए वर्ल्ड चैंपियन

चमोली। ग्रेटर नोएडा में आयोजित एमएफएन (मेट्रिक्स फाइन नाइट) 18 फाईट को जीतकर दिगंबर सिंह रावत लाइटवेट के नए वर्ल्ड चैंपियन बने। मुकाबले में उन्होंने अपने अंतराष्ट्रीय प्रतिद्वंदी को हराकर यह मुकाम हासिल किया। वहीं, फ्लाइवेट वेट कैटेगरी में अमिंदर बिष्ट ने भी अपने प्रतिद्वंदी को हराया। दोनों युवाओं की जीत पर जनपद और उनके गांव में खुशी की लहर है। गैरसैंण विकासखंड के आली गांव के दिगंबर सिंह और कर्णप्रयाग के सेम डोभा गांव के अमिंदर सिंह बिष्ट एमएफएन फाइटर हैं। बीते शनिवार को दिल्ली ग्रेटर नोएडा में आयोजित फाइट में दोनों फाइटरों ने अपने अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंदियों को हराया। टूर्नामेंट का लाइटवेट कैटेगरी का मुकाबला दिगंबर सिंह रावत और इंडोनेशिया के अंगा के बीच हुआ। पहले राउंड की शुरुआत में अंगा ने अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए दिगंबर को टेकडाउन (जमीन पर गिराने) की कोशिश की लेकिन दिगंबर ने शानदार डिफेंस का प्रदर्शन किया। दिगंबर ने अपनी ताकतवर स्ट्राइकिंग और सटीक टाइमिंग से अंगा को नॉकआउट कर जीत हासिल करी।

आपदा के आठ महीने बाद भी बदहाल है सुधरी बसुकेदार-गुप्तकाशी मार्ग

रुद्रप्रयाग। जखोली से मयाली व बसुकेदार से गुप्तकाशी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग की स्थिति अभी भी जर्जर बनी है। छेनागाड़ व आसपास के क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदा के आठ महीने बीत जाने के बाद भी इस सड़क की हालत खस्ताहाल बनी हुई है। यह सड़क अब लोगों के लिए जोखिम भरा रास्ता बन चुकी है। इस महत्वपूर्ण मार्ग से जुड़े क्यूड़ी, अधूली, किमाणा और दानकोट सहित कई गांवों के ग्रामीण आज भी बुनियादी आवागमन सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आपदा के बाद जहां त्वरित राहत और पुनर्निर्माण की उम्मीद थी वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है। आपदा के आठ महीने बाद भी जखोली से मयाली व बसुकेदार से गुप्तकाशी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग की हालत खराब है। साथ ही लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन ने हालात को और अधिक गंभीर बना दिया है। ग्राम स्यूर निवासी नंदलाल ने कहा कि आपदा के बाद कई

बार सर्वे किए गए, पर धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्राम प्रधान माहेश्वरी देवी ने ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क की मरम्मत को लेकर ठोस कार्य नहीं हो रहे है। प्रधान किमाणा पवन कुमार ने बताया विनोवा बैंड से खाटली तक सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रशासन को कई बार लिखित शिकायतें भेजी जा चुकी हैं पर उनकी अनदेखी की जा रही है। स्थानीय निवासी सुमित सिंह ने बताया कि कहना है कि सड़क की अनदेखी उनके जीवन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर डाल रही है। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना और बच्चों का स्कूल जाना तक जोखिम भरा हो गया है।

यमुनोत्री पैदल मार्ग पर तिरछा हुआ बिजली का खंभा

उत्तरकाशी। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर नौ कैंची के पास लंबे समय से तिरछा हुआ बिजली का खंभा यात्रियों और मजदूरों के लिए खतरे का कारण बना हुआ है। यमुनोत्री पैदल मार्ग पर कई अधिकारियों के निरीक्षण के बावजूद अब तक खंभे को हटाने या ठीक करने की कार्रवाई नहीं हो सकी है। ऐसे में वहां पर कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मजदूर नेता मंगल सिंह रावत ने बताया कि यमुनोत्री पैदल मार्ग नौ कैंची के पास स्थित बिजली का खंभा काफी समय से झुका है जिससे घोड़ा-खच्चर संचालकों, डंडी-कंडी मजदूरों तथा यात्रियों को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषकर डंडी-कंडी मजदूरों को खंभे से टकराने का लगातार भय बना रहता है। उन्होंने

चारधाम यात्रा प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग करते हुए खंभे को हटाकर इसे ठीक करने और पैदल मार्ग पर सुरक्षित और सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने का कहा है। रावत का कहना है जल्द बाजी में कभी पालकी रेलिंग पर अटके तिरछे खंभे से टकरा गई तो बड़ा हादसा होने से भी इन्कार नहीं किया जा सकता है।

खदाड़ा गांव में गुलदार ने घोड़े को मार डाला

उत्तरकाशी। चिन्यालीसौड़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत खदाड़ा में गुलदार के हमले से ग्रामीणों में दहशत है। बीते रात गुलदार ने एक घोड़े को मार दिया है। ग्रामीणों ने वन विभाग से घोड़े मालिक को उचित मुआवजा देने की मांग की। साथ ही क्षेत्र में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की। बीते शनिवार को खदाड़ा गांव निवासी रामसू लाल का घोड़ा गांव के पास जंगलों में चारा चुगने गया था। देर शाम को गुलदार ने अचानक हमला कर घोड़े को मार डाला। इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी जिसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। ग्राम प्रधान सोहनलाल कोहली, विवेक

बिष्ट, लवेंद्र महर, श्याम लाल भट्ट ने बताया कि क्षेत्र में पिछले कुछ समय से गुलदार की सक्रियता बढ़ गई है। इससे आए दिन पशुओं पर हमले हो रहे हैं जिससे ग्रामीणों में दहशत है। ग्रामीणों ने वन विभाग से पीड़ति घोड़ा स्वामी को उचित मुआवजा देने की मांग की।

देश के लिए तीन युद्ध लड़ने वाले सूबेदार कृपाल सिंह नहीं रहे

हल्द्वानी। देश के लिए तीन युद्ध लड़ने वाले जाबांज सूबेदार कृपाल सिंह रावत का रविवार को निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे।सूबेदार दीवार सिंह चुफाल ने बताया कि कृपाल सिंह रावत 91 वर्ष के थे। छह कुमाऊं रेजीमेंट से रिटायर्ड सूबेदार कृपाल सिंह ने 1962, 1965 एवं 1971 के तीन युद्धों में दुश्मनों के दांत खट्टे किए थे। कै.राम सिंह बिष्ट, सूबेदार मन बहादुर सिंह पाल और कै.कुंवर सिंह टकुली ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने जीवन भर देश की सेवा की और रिटायरमेंट के बाद भी समाज सेवा को समर्पित रहे। पूर्व सैनिक पुष्कर सिंह डसीला ने बताया कि सूबेदार कृपाल सिंह का अंतिम संस्कार सोमवार सुबह चित्रशिला घाट रानीबाग में किया जाएगा।

गैस कीमतों पर उक्रांद ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन

हल्द्वानी। उत्तराखंड क्रांति दल ने रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में रविवार को केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बुद्ध पार्क में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष रवि वाल्मीकि के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और ताली-थाली बजाकर विरोध जताया।

रवि ने कहा कि सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम रही है, जिससे आम जनता का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस के दाम बढ़ने से मध्यम और निम्न वर्ग के

परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। जिला महामंत्री उत्तम सिंह बिष्ट ने कहा कि इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों पर पड़ा है, जो खाद्य सामग्री बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी ने सरकार को जनविरोधी बताते हुए कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर हैं, जबकि युवा रोजगार के लिए भटक रहा है।

बारिश और ओलावृष्टि से नौगांव-चिन्यालीसौड़ में फसलें तबाह

उत्तरकाशी। शनिवार शाम को हुई बेमौसमी बारिश और भारी ओलावृष्टि ने नौगांव क्षेत्र के धारी कफनौल, स्योरी फल पट्टी सहित चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में किसानों की फसलों को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। इससे जहां बागवानी फसलें बुरी तरह प्रभावित हुई हैं वहीं खेतों में तैयार खड़ी और कटी गेहूं की फसल भी बरबाद हो गई है। नौगांव क्षेत्र में ओलों की तीव्र मार से सेब की फसल को भारी क्षति पहुंची है। फसल की सुरक्षा के लिए लगाए गए ओला अवरोधक जाल तक टूट गए, जिससे टहनियां क्षतिग्रस्त हो गईं और सेब के दाने झड़ गए। इसके अलावा आड़ू, प्लम और खुमानी जैसी बागवानी फसलें भी प्रभावित हुई हैं। लगातार हो रही ओलावृष्टि ने किसानों की चिंताएं और बढ़ा दी हैं। जिला पंचायत सदस्य विजय बंधानी और किसान भूषण से सम्मानित काश्तकार जगमोहन राणा ने जिलाधिकारी को पत्र भेजकर नुकसान का जायजा लेने और प्रभावित किसानों को मुआवजा

देने की मांग की है। उनका कहना है कि सेब नगदी फसलों में प्रमुख है जिस पर कई परिवारों की आजीविका निर्भर करती है। ऐसे में बार-बार हो रही प्राकृतिक आपदाएं किसानों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा कर रही हैं। वहीं, चिन्यालीसौड़ क्षेत्र में भी बेमौसमी बारिश ने किसानों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खेतों में खड़ी गेहूं की फसल और कटाई के बाद रखी फसल दोनों ही बारिश से खराब हो गई हैं, जिससे किसानों में मायूसी है।

विद्यार्थियों को बांटी अध्ययन सामग्री

हल्द्वानी। जरूर केयर फाउंडेशन ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नयागांव लछमपुर में विद्यालय की पूर्व सहायक अध्यापिका स्वर्गीय रेखा जोशी की स्मृति में मेधावी और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को पठन-पाठन सामग्री के दो-दो सेट वितरित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य दिनेश चंद्र जोशी, त्रिलोक चंद्र, भागीरथी सैमिया, अब्दुल रहीम और प्रमोद उपस्थित रहे। साथ ही प्राथमिक शिक्षक संघ नैनीताल के पूर्व जिला मंत्री डिकर सिंह पडियार, जरूर केयर फाउंडेशन की मुख्य निदेशक प्रियंका जोशी, निदेशक आदित्य जोशी, गिरीश चंद्र पांडे, लक्ष्मीकांत रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान : रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है। हालांकि, बाद में इस जलमार्ग पर फिर से पाबंदी लगा दी गई, जब अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि जब तक ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई पक्का समझौता नहीं हो जाता, तब तक ये पाबंदियां जारी रहेंगी। अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

क्यूबा ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों को 'एकतरफा दबाव' की कार्रवाई बताया

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा दबाव डालने की कार्रवाई' बताया और कहा है कि ये कदम क्यूबा की जनता को सामूहिक रूप से सजा देने की कोशिश हैं। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम अमेरिकी सरकार द्वारा अपनाए गए इन एकतरफा दबावकारी तरीकों को पूरी तरह खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि ये कदम क्यूबा के लोगों के खिलाफ सामूहिक दंड की मंशा को दर्शाते हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रोड्रिग्ज के हवाले से बताया कि इन प्रतिबंधों की घोषणा इंटरनेशनल वर्कर्स डे के दिन की गई, जब क्यूबा के लाखों नागरिक सड़कों पर उतरकर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध कर रहे थे। रोड्रिग्ज ने कहा कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन करते हैं। उनके अनुसार, अमेरिका को क्यूबा या किसी तीसरे देश पर ऐसे प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी नियंत्रण में आने वाली उन व्यक्तियों और संस्थाओं की संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी। ये सब क्यूबा की अर्थव्यवस्था के ऊर्जा, रक्षा, धातु व खनन, वित्तीय सेवाओं या सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके अलावा, आदेश का उद्देश्य क्यूबा की वैश्विक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच को सीमित करना भी है। इसमें उन विदेशी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जो क्यूबा से जुड़े पहले से प्रतिबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के साथ लेनदेन करते हैं।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

ईरान में ऑर्डनेंस क्लियरेंस के दौरान बड़ा हादसा... आईआरजीसी के 14 जवानों की मौत, 2 घायल

तेहरान, एजेंसी। ताजा ख़बरों के अनुसार ईरान में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ईरान के जंजान प्रांत में ऑर्डनेंस क्लियरेंस मिशन के दौरान एक भयानक विस्फोट होने से ढ्ढक्रत्नष्ट के 14 जवानों की मौत हो गई और 2 अन्य सैनिक घायल हो गये हैं। यह हादसा उस दौरान हुआ जब जवान न फटे हुए पुराने बम और गोला बारूद को जमीन से सुरक्षित निकलने का काम कर रहे थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका युद्ध शांत करने के लिए शांति वार्ता पर बातचीत कर रहे हैं। समाचार एजेंसियों के अनुसार करीब 12000 हेक्टेयर खेती की जमीद पर बिखरे हुए न फटे बमों का भारी खतरा मंडरा रहा है। इस हादसे के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका पर बाधा डालने की नीति का बहुत गंभीर आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान से नए बातचीत प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और बातचीत को उलझा दिया है।

ईरान के जंजान प्रांत में एक भयावह हादसा हुआ है जिसमें ढ्ढक्रत्नष्ट के 14 जवान मारे गये हैं और 3 घायल हैं। खेती वाली जमीन पर पड़े और दबे हुए युद्ध के हथियारों की सफाई के दौरान एक बम फट गया जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यह टीम खेती लायक जमीन को सुरक्षित और साफ कर रही थी तभी हुए विस्फोट ने हलचल मचा दी।

अमेरिका पर बड़े आयोप : हादसे के बाद आईआरजीसीने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका की नीतियों पर सीधा और बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार अब दुनिया की ऊर्जा पर काबू रखने की जगह बाधा डालने का काम कर रही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबंदी चीन, रूस और यूरोप को रोकने की बड़ी योजना के तहत थी लेकिन यह योजना नाकाम हो गई है।

ईरान नेतृत्व में बिखराव का माहौल : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान के अंदरूनी हालात पर बात करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहुत ज्यादा बिखराव मौजूद है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में कई गुट हैं नेताओं के जो देश को अलग तरीके से चलाना चाहते हैं। ये अलग-अलग दिशाओं में देश को खींच रहे हैं। इस बिखराव के कारण समझौता सम्भव नही हो पा रहा है।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले अराघची, होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दे पर हुई गहन चर्चा : रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में नौवहन स्वतंत्रता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शत्रुता की पूर्ण समाप्ति, सैन्य और राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने तथा क्षेत्र में शांति बहाली की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। रूस ने जारी मध्यस्थता प्रयासों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वार्ता के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रूसी जहाजों और कार्गो के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा भी उठाया गया, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पहले 27 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में ईरानी विदेश मंत्री अराघची से मुलाकात की थी। इस बैठक में रूस-ईरान द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष से इस बैठक में विदेश मंत्री लावरोव, राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव मौजूद थे। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी और रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली शामिल थे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मास्को ईरान के साथ रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम एशिया में जल्द शांति स्थापित करने के प्रयासों में सहयोग करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, पुतिन ने यह भी उम्मीद जताई कि ईरान मौजूदा चुनौतियों से उबरकर स्थिरता और शांति की दिशा में आगे बढ़ेगा। पुतिन ने कहा, हम हर वह प्रयास करेंगे जो आपके और क्षेत्र के सभी लोगों के हित में हो, ताकि जल्द से जल्द शांति स्थापित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश प्राप्त हुआ है, जिसका उल्लेख उन्होंने बातचीत की शुरुआत में किया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल: बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु

बोगोटा, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार)प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गई जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग : सामान्यत: एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए।

जेल में बिगड़ी नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत, अस्पताल में भर्ती; इलाज में लापरवाही के आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें तुरंत उत्तर-पश्चिमी ईरान के ज़ंजन शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने दी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें आनन-फानन में उत्तर-पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने शुक्रवार को दी। नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता को दो बार बेहोशी और दिल से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। फाउंडेशन ने बताया कि मोहम्मदी शुक्रवार को जंजन शहर की जेल में दो बार बेहोश हो गई थीं। उनके वकीलों ने मार्च के अंत में उनसे मुलाकात के बाद बताया था कि उन्हें संभवतः दिल का दौरा पड़ा था। उस समय वह कमजोर दिख रही थीं और चलने के लिए नर्स की मदद की ले रही थी।

इलाज में लापरवाही का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि मोहम्मदी की 12 दिसंबर को गिरफ्तारी के बाद से 140 दिनों तक उन्हें सही इलाज नहीं दिया गया। फाउंडेशन के अनुसार, जेल के डॉक्टरों ने पहले ही सलाह दी थी कि नरगिस का इलाज जेल में नहीं किया जा सकता है। डॉक्टरों ने उनका इलाज तेहरान में विशेषज्ञ टीम से करवाने को कहा था।

परिवार कई बार कर चुका था अच्छे इलाज की मांग : मोहम्मदी के परिवार ने हफ्तों से उन्हें अच्छा इलाज देने के लिए अस्पताल भेजने की वकालत की थी। फाउंडेशन ने परिवार के हवाले से कहा कि शुक्रवार को जंजन के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया जाना बहुत देरी से लिया गया फैसला और आखिरी समय में उठाया गया कदम लग रहा है।

पहले भी बिगड़ चुकी थी तबीयत : 24 मार्च को मोहम्मदी के साथी कैदियों ने उन्हें बेहोश पाया था। उन्होंने अपने वकीलों से कुछ दिनों बाद हुई मुलाकात में ये बताया था। जेल के क्लिनिक में बाद की जांच में एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उन्हें शायद दिल का दौरा पड़ा था। तब से उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

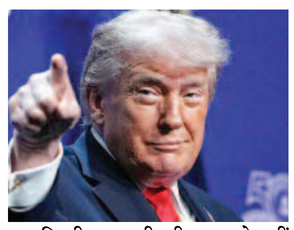

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।

उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया : इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया। उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता। सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं। उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया। उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है। उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है। क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं। सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमे क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ताश के पत्ते लिए तस्वीर की पोस्ट, लिखा- खेल मेरे हाथ में

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जो उनके बेबाक अंदाज को जाहिर करती है। उनके हाथ में ताश के पत्ते हैं जिसका मैसेज उनके इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने शनिवार को एक के बाद एक कई पोस्ट्स की। इनमें कुछ तस्वीरें हैं, जिनमें अमेरिका के पुराने और अब नए दिनों की झलक है। ट्रंप बताना चाहते हैं कि अमेरिका का वर्तमान गुजरे वक्त से ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने दो तस्वीरों के कोलाज के साथ लिखा, 'ट्रंप के आने से पहले और बाद का अमेरिका।' इसमें लिंकन मेमोरियल के पूल की तस्वीर है। जिसमें ओबामा दौर में गंदगी तो ट्रंप दौर में सफाई का दावा किया गया है। इसके अलावा, माउंट रशमोर की तस्वीर पोस्ट की है। पहले भी वो ऐसा कर चुके हैं। माउंट रशमोर के प्रति डोनाल्ड ट्रंप का लगाव जगजाहिर है। कई मौकों पर वो साउथ डकोटा के ब्लैक हिल्स में स्थित इस ऐतिहासिक मूर्ति का हिस्सा बनने की अपनी मंशा और इच्छा जाहिर कर चुके हैं; इस मूर्ति में उनके चार पूर्ववर्तियों–जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन–के चेहरे उकेरे गए हैं।

इन सबमें से सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर वो है जिसमें ट्रंप हाथ में ताश के पत्ते लिए खड़े हैं। 6 पत्ते हैं, जिनमें से हरेक पर 'वाइल्ड' लिखा हुआ है। इसके साथ ही कैप्शन के जरिए ये बताने की कोशिश की जा रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'आई हैव ऑल द कार्ड्स,' यानी कि वे मजबूत हालत में हैं और खेल उनके हाथ में है।

पूरी दुनिया ईरान संघर्ष के स्थाई समाधान को लेकर चिंतित है। ट्रंप की ओर सबकी निगाहें हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति भी लगातार कह रहे हैं कि शांति के इच्छुक हैं लेकिन सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी अभी खुला है। वहीं नाटो से नाराजगी का इजहार भी वो करते रहे हैं। आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान संघर्ष में इन देशों ने उनकी मदद नहीं की।

इस बीच जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की अमेरिका के हमले को लेकर की गई टिप्पणी भी ट्रंप को खल गई है। इसके बाद ही अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि जर्मनी से अमेरिका की सैन्य टुकड़ियों को हटाया जाने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान युद्ध विवाद पर ट्रंप का नाटो को बड़ा झटका! जर्मनी से बुलाएंगे 5000 सैनिक वापस

लंदन, एजेंसी। ताजा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूरोप में नाटो को एक बहुत बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को अधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि वह अपने सहयोगी देश जर्मनी से 5000 सैनिक वापस बुला रहा है। यह चौकाने वाला कदम उस समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रम्प और जर्मन चांसलर की टिप्पड़ी से यूरोप से विरोध गहरा गया। पेंटागन ने यह कदम ट्रंप और जर्मन चांसलर के बीच हुई बहस के बाद उठाया है। इस पूरे विवाह की प्रमुख वजह राष्ट्रपति ट्रंप की इरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से हुई एक तीखी बहस है। इस बहस के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए सैनिकों की संख्या में कटौती करने की धमकी दी थी। अमेरिका का यह फैसला यूरोप और नाटो देशों के लिए बहुत ही सख्त कूटनीतिक और कड़ा संदेश है। पेंटागन के इस कदम से यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप और फ्रेडरिक मर्ज की बहस का कारण : जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को ईरान युद्ध पर विवादित टिप्पड़ी की थी। उन्होंने कहा था कि दो महीनों से चल रहे युद्ध को ख़त्म करने की बातचीत में ईरान अमेरिका को अपमानित कर रहा है। इसके जवाब में ट्रंप ने तीखे लहजे में कहा कि मर्ज को रूस और युक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें अपने देश को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। ईरान युद्ध पर उन्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए।

पेंटागन का आधिकारिक बयान : पेंटागन के वरिष्ट अधिकारी ने बताया कि जर्मनी की हालिया बयानबाजी बहुत ही अनुचित थी। उन्होंने यह भी कहा कि नाटो देशों से सेना हटाकर राष्ट्रपति इन टिप्पड़ियों का बिलकुल सही जवाब दे रहे हैं। सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 6 से 12 महीनो में पूरी हो जाएगी। पेंटागन की इस कटौती से यूरोप में अमेरिकी सैनिकों का स्तर 2022 से पहले के स्तर पर आ जाएगा। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उस समय के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप मे सैनिकों की संख्या बढाई थी। लेकिन अब अमेरिका उन फैसलों को पलट रहा है।

बता दें कि यूरोप में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। यहा अभी लगभग 35000 सैनिक तैनात हैं। यहां एक अहम ट्रेनिंग हब भी है। पिछले कुछ महीनों से जर्मनी और नाटो ट्रम्प के निशाने पर जोरो से हैं। ट्रंप ने ईरान युद्ध में हार्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए अपनी नौसेना न भेजने पर यूरोपीय सहयोगियों और नाटो की कड़ी आलोचना की थी।

पाकिस्तान के बन्नू में पुलिस वैन पर रॉकेट हमला, 1 कांस्टेबल की मौत, 2 घायल; सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांतों में सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में एक बड़ी आतंकी घटना हुई है जहां सशस्त्र हमलावरों ने पुलिस के एक वाहन को रॉकेट से निशाना बनाया। इस भीषण हमले में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई है जबकि दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रॉकेट हमले के बाद मची अफरा-तफरी : यह घटना बन्नू के कंगर जान बहादुर इलाके में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी फतेह खेल चेकपॉइंट से अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) यासिर अफरीदी के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर सीधे रॉकेट दागे जिसके बाद चारों ओर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। इस हमले में कांस्टेबल (ड्राइवर) रजा अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए दो अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मिरयान रोड पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया है।

सघन तलाशी अभियान : हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावर रॉकेट दागने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी तलाश में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। डीपीओ यासिर अफरीदी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ती हिंसा की लहर : यह हमला पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों, विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की एक कड़ी है। इसी सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के पिशिन जिले के हुरमजई इलाके में भी एक चेकपोस्ट को निशाना बनाया गया जिसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई थी।

हालिया हमलों का खौफनाक रिकॉर्ड : पाकिस्तान में सुरक्षाकर्मियों पर हमलों के आंकड़े की अगर हम बात करें तो ये बहुत ही डराने वाले हैं। अभी हाल ही में 19 अप्रैल को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम गढ़ी में बाजार में खरीदारी कर रहे दो फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके पहले 18 मार्च को ऊपरी दीर के मनो बंडा इलाके में एलीट फोर्स के एक ASI को उनके घर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया था। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की इन घटनाओं में हाल के दिनों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

घर ले आएं लक्ष्मी चरण पादुका

न-संपदा की प्राप्ति हेतु लक्ष्मी के पूजन का विधान है। ऐसा माना जाता है कि दीपावली की रात लक्ष्मी जी घर में आती हैं। इसीलिए लोग दहलीज से लेकर घर के अंदर जाते हुए लक्ष्मी जी के पांव बनाते हैं। इसी मान्यता के चलते हम लक्ष्मी जी को स्थाई करने हेतु घर में लक्ष्मी जी के चरणों का प्रतीक लक्ष्मी चरण पादुका स्थापित करते हैं।

लक्ष्मी जी के चरणों का रहस्य : शास्त्रों के अनुसार महालक्ष्मी के चरणों में सोलह शुभ चिन्ह होते हैं। यह चिन्ह अष्ट लक्ष्मी के दोनों पावों से उपस्थित 16 (षोडश) चिन्ह है जो के 16 कलाओं का प्रतीक हैं। शास्त्रों में मां लक्ष्मी को षोडशी भी कहकर पुकारा जाता है। ये सोलह कलाएं हैं 1.अन्नमया, 2. प्राणमया, 3.मनोमया, 4.विज्ञानमया, 5. आनंदमया, 6. अतिशयिनी, 7. विपरिनाभिमी, 8.संक्रमिनी, 9.प्रभवि, 10. कुंथिनी, 11 विकासिनी, 12.मर्यदिनी, 13. सन्हालादिनी, 14.आह्लादिनी, 15.परिपूर्ण, 16.स्वरुपवस्थित।

शास्त्रों में चंद्रमा की सोलह कलाओं का भी वर्णन आता है। चंद्रमा की सोलह कलाएं हैं अमृत, मनदा, पुष्प, पुष्टि, तुष्टि, ध्रुति, शाशनी, चंद्रिका, कांति, ज्योत्सना, श्री, प्रीति, अंगदा, पूर्ण और पूर्णामृत का उल्लेख है। वास्तवकिता में ये सोलह कलाएं सोलह तिथियां हैं जिसके क्रम में अमावस्या एकम से लेकर चतुर्दशी तथा पूर्णिमा। लक्ष्मी चरण पादुका के लक्ष्मी के षोडशी रूप के 16 चिन्ह इस प्रकार हैं 1 प्राण, 2.श्री, 3.भू, 4.कीर्ति, 5.इला, 5 लीला, 6.कंति, 7.विद्या, 8 विमला, 8.उत्कर्शिनी, 9.ज्ञान, 10 क्रिया, 11.योग, 12.प्रहवि, 13. सत्य, 14.इसना 15. अनुग्रह, 16. नाम। अष्ट लक्ष्मी के दोनों चरणों में इस सोलह कलाओं के प्रतीक चिन्ह स्थापित होते है। सोलह कलाओं वाली श्री लक्ष्मी षोडशी का रहस्य : जो श्री विद्या सोलह कलाएं प्रदान करे वही षोडशी है। लक्ष्मी का यह स्वरुप ऐश्वर्य, धन, पद जो भी चाहिए सभी कुछ प्रदान करता है। इनके श्री चक्र को श्रीयंत्र कहा जाता है। इनका एक नाम श्री महा त्रिपुरा सुंदरी यां ललिता भी है। त्रिपुरा समस्त भुवन मे सर्वाधिक सुन्दर है। महालक्ष्मी का यह स्वरुप जीव को शिव बना देता है। यह श्री कुल की विद्या है। इनकी पूजा से साधक को पूर्ण समर्थ प्राप्त होता है। लक्ष्मी चरण पादुका इन्हीं ललिता श्री देवी के चरणों का प्रतीक है जिसमें सोलह चिन्ह बने होते हैं। लक्ष्मी चरण पादुका जहां भी स्थापित कि जाती है वहां से समस्याओं का नाश होता है। इसकी स्थापना से धनाभाव खत्म होकर स्थाई धन संपत्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। इसे मकान, दुकान, आफिस या कहीं भी दरवाजे पर चिपकाना भी शुभ होता है। अष्ठ धातु से निर्मित यह चरण पादुका सुख-समृद्धि हेतु निश्चित ही उपयोगी सामग्री है।

घर-कार्यस्थल पर न रखें श्रीगणेश की ये मूर्तियां

भगवान श्रीगणेश मंगलकारी देवता हैं। जहां श्रीगणेश का नित पूजन-अर्चन होता है, वहां रिद्धि-सिद्धि और शुभ-लाभ का वास होता है। वास्तु शास्त्र में भगवान श्रीगणेश को महत्वपूर्ण स्थान प्रदान किया गया है। धन से संबंधित जो भी बाधाएं आती हैं उसका दोष घर अथवा दुकान में ही मौजूद होता है। बहुत कुछ ऐसा होता है जिनकी अनजाने में अनदेखी हो जाती है। वास्तु दोष-विघ्न दूर करते हैं विनायक। जिस घर के मुख्य द्वार पर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर होती है, वहां रहने वालों की दिनों-दिन उन्नति होती है। आम, पीपल और नीम से बनी श्रीगणेश की मूर्ति घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। घर के मुख्य द्वार पर चौखट के ऊपर भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा या तस्वीर लगानी चाहिए। उनके आस-पास सिंदूर से उनकी दोनों पत्नियों के नाम रिद्धि-सिद्धि लिखने की परम्परा है। घर में पूजा के लिए भगवान श्रीगणेश की शयन या बैठी हुई मुद्रा में मूर्ति शुभ मानी जाती है। कार्यस्थल पर खड़ी हुई मुद्रा में भगवान श्रीगणेश की मूर्ति लगाएं। इससे स्फूर्ति और उमंग बनी रहती है। ध्यान रहे कि खड़े हुए श्रीगणेश जी के दोनों पैर जमीन को स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आती है। घर में भगवान श्रीगणेश का चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। घर में भगवान श्रीगणेश की ज्यादा मूर्तियां या तस्वीरें नहीं होनी चाहिए।

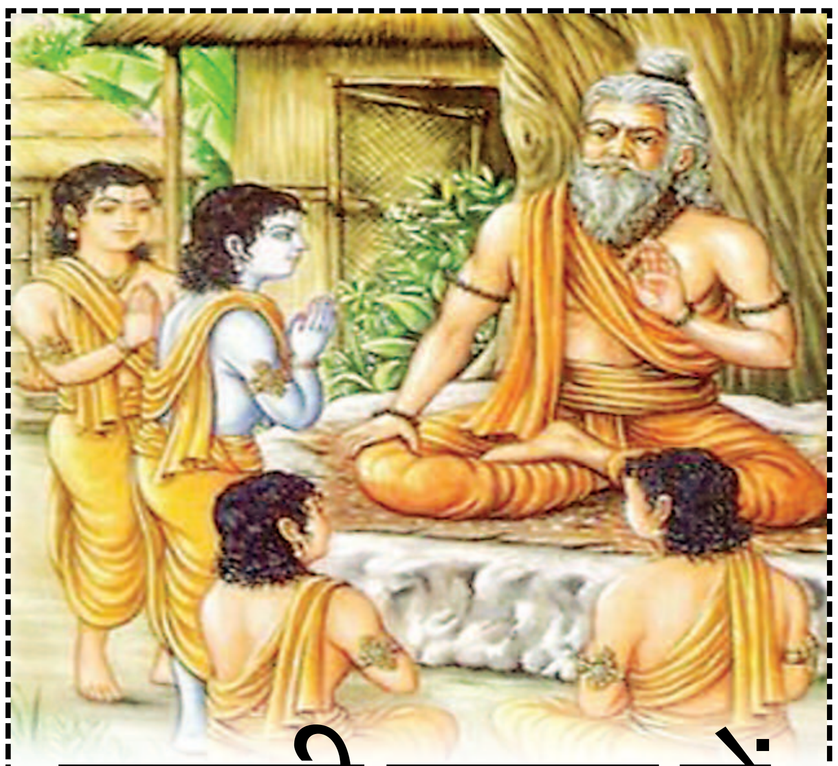

इनकी शरण में गए थे भगवान के ये अवतार

भगवद् गीता जी में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं, विगतेच्छा भय क्रोधो य : सदा मुक्त एव स : जो इच्छा, भय और क्रोध से रहित है वह सदा मुक्त ही है। इस उपरोक्त ज्ञान रूप तप से पवित्र होकर बहुत से भक्त भगवान के स्वरूप को प्राप्त कर चुके हैं। जो मनुष्य सदैव कामनाओं के अधीन रहता है उसमें सदैव भय व्याप्त रहता है। कामनाओं में विघ्न पड़ने से क्रोध उत्पन्न होता है और क्रोध से विवेक रूपी ज्ञान शक्ति का नाश होता है।

इसलिए हे अर्जुन। न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते इस संसार में ज्ञान के समान पवित्र करने वाला नि :संदेह कुछ भी नहीं है। भगवान के नाम का आश्रय लेने वाला सदैव भय मुक्त रहता है। असुरराज रावण, जिसे ब्रह्मा जी से वर प्राप्त था, भगवान शिव की जिस पर विशेष कृपा थी, समस्त देवतागण, नवग्रह जिसके अधीन थे। केवल भगवान श्री राम नाम का आश्रय लेकर ज्ञानियों में अग्रगण्य श्री हनुमान जी ने उसकी लंका को भस्मीभूत कर दिया। बाली पुत्र अंगद ने अपने प्रभु के नाम के बल पर ही रावण की सभा में बड़े-बड़े योद्धाओं को अपने पृथ्वी पर जमाए हुए पैर को हिलाने के लिए आमंत्रित किया। भय मुक्त अंगद के मुख पर जो आत्मविश्वास था, वह केवल भगवद् नाम की ही कृपा थी जिस कारण रावण सहित सभी योद्धाओं को अपमानित होना पड़ा था। जब तक मनुष्य के मन में भय समाया रहता है तब तक उसमें निश्चयात्मिका बुद्धि का अभाव रहता है। जब तक अर्जुन के मन में युद्ध के प्रति भय था, कि कहीं उसके हाथों अपने गुरुजनों का वध हो जाने से, अधर्म न हो जाए, वह इस निर्णय को लेने में अक्षम थे कि युद्ध करने, अथवा न करने में सही विकल्प कौन-सा है। भगवान की शरण प्राप्त करने से ही वह श्रेष्ठ निर्णय लेने में सफल रहे, जब उन्होंने स्वयं को भगवान का शिष्य मान लिया। शिष्यस्तेहं शाधि मां त्वां प्रपन्नम। इस प्रकार अर्जुन ने सभी प्रकार से भगवान की शरण प्राप्त कर ली।

मनुष्य जीवन में निर्णय-अनिर्णय की स्थिति सदैव बनी रहती है। विवेक शक्ति से युक्त होकर ही मनुष्य सही निर्णय का चुनाव करता है। भय से युक्त मन में विवेक शक्ति का अभाव होता है। मार्कण्डेय ऋषि मां भगवती से अभय प्रदान करने के लिए स्तुति करते हैं :

सर्व स्वरूपे सर्वेशे सर्वशक्ति समन्विते।
भयभयस्त्राहि नो देवि दुर्गे देवि नमोस्तुते।

हे मां! आप सर्वस्वरूपा, सर्वेश्वरी, सभी शक्तियों से सम्पन्न हैं। आप मुझे भय से मुक्त करें। हे देवि! आपको नमस्कार है। मां आदि शक्ति सभी प्रकार के भय का नाश करने वाली है।

षोड वर्ष के बालक मार्कण्डेय ने मृत्यु को समीप जान, जब मृत्युंजय भगवान शिव जी की चंद्रशेखरमाश्रय मम किं करिष्यति वै यम : से स्तुति कर भगवान शिव को प्रसन्न कर न केवल आश्रय प्राप्त किया अपितु भगवान शिव से अमरत्व भी प्राप्त किया। भय नाम अंधकार का है। यह अंधकार अज्ञानता, अश्रद्धा और संशययुक्त बुद्धि से उत्पन्न होता है। इसी से जीव का नाश होता है।

योगी और भोगी दोनों को अंतिम समय का भय होता है परन्तु दोनों के भय में अंतर है। भोगी जीवन भर सांसारिक पदार्थों का संग्रह करता है ताकि बुढ़ापे के समय उसका जीवन कष्टमय न हो। योगी जीवन पर्यन्त यह अभ्यास करता है कि प्रयाण काल (शरीर छोड़ते समय) में उसकी चित्त वृत्ति परमात्मा में स्थिर रहे क्योंकि यह नियम है कि परमेश्वर के ध्यान के अभ्यास रूप योग से युक्त, दूसरी ओर न जाने वाले चित्त से निरंतर चिंतन करता हुआ मनुष्य परम प्रकाश रूप दिव्य पुरुष को अर्थात परमेश्वर को ही प्राप्त होता है। जटायु, बाली, भीष्म पितामह ने अंतिम समय में अपनी चित्त वृत्तियों को भगवान के श्रीमुख पर स्थिर कर परमधाम प्राप्त किया।

श्री राम चंद्र कृपालु भज मन।
हरण भव भय दारूणम

भगवान श्री राम अत्यंत कृपालु हैं तथा सांसारिक बंधनों के भय से मुक्त करने वाले हैं इसलिए हे मन। तू केवल उनका नाम ही भज।

वंदे विष्णुं

सभी लोकों के एकमात्र स्वामी भव भय हरने वाले भगवान विष्णु की हम वंदना करते हैं। उपरोक्त स्तुतियों में भय से मुक्ति हेतु ही भगवान की वंदना भक्तों द्वारा की जाती है। काक भुशुण्डि जी श्रीराम की कृपा से, भागवत प्रवक्ताओं में अग्रगण्य शुकदेव मुनि जी भगवान श्री कृष्ण जी की कृपा से ही निर्भय होकर इस संसार में विचरण करते हैं। माया के बंधन में बंधा जीव सदैव भय से युक्त रहता है। केवल भगवद् नाम का आश्रय ही जीव की बुद्धि को निर्भय बनाता है। उसके लिए आवश्यक है कि मनुष्य भगवान की दिव्य लीलाओं का स्वाध्याय करे अथवा श्रवण परायण होकर रसास्वादन करे। कलिकाल में केवल गोविंद नाम ही सब प्रकार के भय का नाश करने वाला है।

पीपल की पूजा का रहस्य

दधीचि पुत्र पिप्पलाद ने जब माता से अपने पिता की देवताओं द्वारा अस्थियां मांगे जाने और उनसे बने वज्र से अपने प्राण बचाने का पौराणिक विवरण सुना तो उनके मन में देवताओं के प्रति घृणा उपजी। मैं इनसे पिता को 'सताने' का बदला लूंगा। ऐसा संकल्प करके पिप्पलाद तप करने लगे। कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव प्रकट हुए और बोले, वर मांगो।

पिप्पलाद ने नमन किया और बोले, प्रभु! अगर आप मुझ पर प्रसन्न हैं तो कृपा करके अपना रौद्र रूप प्रकट कीजिए और इन देवताओं को जलाकर भस्म कर दीजिए। शिव यह अनुरोध सुन कर स्तब्ध रह गए, परंतु वचन तो पूरा करना ही था। देवताओं को जलाने के लिए तीसरा नेत्र खोलने का उपक्रम करने लगे। इस आरंभ की प्रथम परिणति यह हुई कि पिप्पलाद का रोम-रोम जलने लगा। वह चिल्लाए और बोले, प्रभु! यह क्या हो रहा है? देवता नहीं, उल्टा मैं ही जला जा रहा हूं। शिव ने कहा, देवता तुम्हारी देह में ही समाए हुए हैं। अवयवों की शक्ति उन्हीं की सामर्थ्य है। देव जलें और तुम अछूते बचे रहो यह तो संभव नहीं है। पिप्पलाद ने अपनी याचना वापस ले ली तो शिव ने कहा, देवताओं ने त्याग का अवसर देकर तुम्हारे पिता को कृत-कृत्य और तुम्हें गौरवान्वित किया है। मरण तो होता ही है, न तुम्हारे पिता बचते और न काल के ग्रास से वृत्रासुर बचा रहता। यश, गौरव प्राप्त करने का लाभ प्रदान करने के लिए देवताओं के प्रति कृतज्ञ होना ही उचित है। पिप्पलाद का भ्रम दूर हो गया। उनकी तपस्या आत्म-कल्याण की दिशा में मुड़ गई। पिप्पलाद को ही पीपल कहते हैं। उनके त्याग, साधना और परोपकार की भावना के कारण उन्हें पूजा जाने लगा। पीपल समस्त वृक्षों में सबसे पवित्र इसलिए माना गया है क्योंकि स्वयं भगवान श्रीहरि विष्णु पीपल में निवास करते हैं। श्रीमद् भागवत गीता में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने अपने श्रीमुख से उच्चारित किया है कि, वृक्षों में मैं 'पीपल' हूं।

स्कंद पुराण के अनुसार पीपल के मूल (जड़) में विष्णु, तने में केशव, शाखाओं में नारायण, पत्तों में भगवान हरि और फलों में समस्त देवताओं से युक्त भगवान सदैव निवास करते हैं। ऑक्सीजन 'प्राण-वायु' कही जाती है। प्रत्येक जीवधारी ऑक्सीजन लेता है व कार्बन डाईआक्साइड छोड़ता है। ऑक्सीजन देने के अतिरिक्त पीपल में अनेक विशेषताएं हैं जैसे इसकी छाया सर्दी में गर्मी देती है और गर्मी में शीतलता देती है। इसके अतिरिक्त पीपल के पत्तों से स्पर्श करने से वायु में मिले संक्रामक वायरस नष्ट हो जाते हैं। इसकी छाल, पत्तों और फल आदि से अनेक प्रकार की रोगनाशक दवाएं बनती हैं। इस दृष्टि से भी पीपल पूजनीय है।

भगवान शिव ने कब, कहां और किसे दिया अमरत्व का वरदान

भारत विभिन्न संस्कृति और धर्मों का घर है। हमारे देश में भिन्न-भिन्न धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। भारत के प्रसिद्ध धार्मिक पूजा स्थलों में से एक अमरनाथ धाम है। अमरनाथ हिंदुओं का प्रमुख तीर्थस्थल है। कश्मीर राज्य के उत्तर पूर्व से 135 हजार मीटर की दूरी पर अमरनाथ की गुफा स्थित है। अमरनाथ गुफा भगवान शिव के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने मां पार्वती को अमर कथा का रहस्य बताया था। एक बार पार्वती द्वारा अमर होने की कथा सुनने की जिद्द करने पर भगवान शिव पार्वती को अमर कथा सुनाने के लिए समुद्रतल से 13,600 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस स्थान पर लाए। गुफा में प्रवेश करने से पहले भगवान शिव ने अपने गले में सुशोभित नाग और सिर पर सजे चांद को उतार दिया। ताकि माता पार्वती के अलावा कोई और कथा न सुन सके। यहां आकर उन्होंने माता पार्वती को कथा सुनानी आंरभ की लेकिन माता को कथा के मध्य में ही नींद आ गई। इस दौरान इस गुफा में कबूतरों के दो बच्चों ने जन्म लिया, जिन्होंने अमर कथा सुन अमरता प्राप्त की। जब शिव जी को यह ज्ञात हुआ तो वह क्रोधित हो गए और उन्हें मारने के लिए आगे बढ़े। तभी कबूतरों ने भगवान शिव को कहा कि अगर वे उन्हें मारेंगे तो अमर कथा झूठी साबित हो जाएगी। तब शिव जी ने अपने क्रोध को शांत कर उन्हें वरदान दिया कि युगों-युगों तक तुम दो कबूतरों का जोड़ा शिव-पार्वती का प्रतीक बन कर इस गुफा में निवास करेगा। उसी समय से यह स्थान अमरनाथ गुफा के नाम से प्रचलित हुआ। मान्यता है कि इन कबूतरों के दर्शन करने से शिव-पार्वती के दर्शनों जितना पुण्य मिलता है। इनके दर्शनों से वंचित रहने वाले हर व्यक्ति की यात्रा असफल मानी जाती है।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।
आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिका में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।

मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछ्ले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंड एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।

आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछ्ले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछ्ले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछ्ले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछ्ले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछ्ले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।

खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।